दैनिक

कीर्तिप्रभा

खबरों के सच का निर्भीक आइना

रीवा ■ भोपाल से एक साथ

वर्ष: 28, अंक: 347 पृष्ठ 12, रीवा

मंगलवार 08 सितम्बर 2026

मूल्य: 3.00 रुपए

नदियां उफान पर- बिहार के 12 जिले बाढ़ की चपेट में, 22 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित

-गंगा समेत अनेक नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर

-भागलपुर में रिंग बांध ओवरफ्लो, यूपी के बरेली में फायर स्टेशन तक डूबा

नई दिल्ली, देश के कई राज्यों में मानसून का असर लगातार बना हुआ है। बिहार में गंगा, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और बागमती नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी के चलते बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। राज्य के 12 जिलों में करीब 22.42 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। भागलपुर में रिंग बांध के ओवरफ्लो होने से सुल्तानगंज के करीब 4 हजार घरों में पानी घुस गया है। अनेक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे अनेक इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है।

उत्तर प्रदेश में भी मानसूनी बारिश का दौर जारी है। बरेली में रविवार दोपहर से रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। यहां फायर स्टेशन में करीब तीन फीट तक पानी भर गया। कई घरों के किचन और बेडरूम तक घुटनों के स्तर तक पानी पहुंचने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। फिलहाल बिहार में बाढ़, उत्तर प्रदेश में जलभराव और उत्तराखंड में बारिश एवं भूस्खलन की घटनाओं ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है।

सागर में जहरीली शराब से अब तक 15 मौतें, अब क्लीनचिट पर उठ रहे सवाल

-जिन बॉम्बे और सागर गोल्ड ब्रांडों को जांच में पीने योग्य बताया गया, उन्हीं की शराब पीने के बाद मौतों का आरोप

-7 दुकानें की गईं सील और 10 आरोपी लिए गए हिरासत में

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले में संदिग्ध जहरीली शराब पीने से अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 150 से अधिक लोगों को निगरानी में रखा गया है। करीब 84 मरीजों के अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी सामने आई है। बंडा और शाहगढ़ तहसील के कई गांवों में हुई इस घटना ने प्रशासन और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल उन शराब ब्रांडों को लेकर है, जिनका सेवन करने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी और मौतें हुईं। रिपोर्टों के मुताबिक, बॉम्बे व्हिस्की और सागर गोल्ड की संदिग्ध शराब को आबकारी विभाग की जांच में एक दिन पहले ही पीने योग्य बताया गया था। हालांकि, इस जांच में फॉरेंसिक परीक्षण नहीं कराया गया था। अब यही पहलू जांच के घेरे में है। स्थानीय लोगों का कहना है, कि शराब तस्कर कथित तौर पर नकली बॉम्बे ब्रांड करीब 20 रुपये और सागर गोल्ड करीब 30 रुपये सस्ती बेच रहे थे। कीमत अचानक कम होने पर कुछ लोगों ने शराब की गुणवत्ता को लेकर सवाल भी उठाए। आरोप है कि तस्करों ने इसे उसी ब्रांड की न्यई फॉर्मूलाज् वाली शराब बताकर लोगों को भरोसा दिलाया। प्रारंभिक जांच में शराब में मेथाइल अल्कोहल (मेथेनॉल) की मिलावट की आशंका जताई गई है। नकली शराब की बोतलों पर फर्जी रैपर, सील और क्यूआर कोड इस्तेमाल किए जाने के संकेत भी जांच एजेंसियों को मिले हैं। शनिवार रात कई गांवों में लोगों ने शराब का सेवन किया था। रविवार सुबह बड़ी संख्या में लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। मरीजों में उल्टी, पेट दर्द, कमजोरी, सिरदर्द, धुंधला दिखाई देना और आंखों की रोशनी प्रभावित होने जैसे लक्षण सामने आए।

भीषण तूफान का अलर्ट- 24 राज्यों में भारी बारिश, आंधी और वज्रपात की चेतावनी

नई दिल्ली । भारतीय मौसम विभाग ने देश के 24 राज्यों में भारी बारिश, तेज आंधी और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है, इसके बाद लोगों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। मानसून की रफ्तार फिर तेज हो गई है और देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज अचानक बिगड़ने वाला है। चेतावनी में कहा गया है कि कई इलाकों में 40 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका है, साथ ही बिजली गिरने और ओलावृष्टि की भी संभावना है।

दिल्ली में भारी बारिश के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो सकती है। उत्तर प्रदेश में भी मौसम का असर व्यापक रहने वाला है, जहां मेरठ, मुजफ्फरनगर, गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, कानपुर, बहराइच, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव, इटावा और अयोध्या समेत कई जिलों में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी है। इसी तरह, बिहार में पटना, गया, जहानाबाद, भोजपुर, गोपालगंज, बक्सर, वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, भागलपुर और मुंगेर में तेज बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। पहाड़ी राज्यों में खतरा और बढ़ सकता है। उत्तराखंड के बागेश्वर, हरिद्वार, नैनीताल, चंपावत, पिथौरागढ़, पौड़ी, टिहरी और चमोली में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। बारिश के दौरान पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन का खतरा भी बना रहेगा। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के भी कांगड़ा, मंडी, कुल्लू, अनंतनाग, जम्मू, बारामूला समेत कई इलाकों में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी दी गई है। वहीं राजस्थान के जैसलमेर, जयपुर, झुंझुनू, सीकर, चूरू, अजमेर, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, धौलपुर और भरतपुर सहित कई जिलों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है, जहां हवाओं की रफ्तार 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। मध्य प्रदेश के छतरपुर, दमोह, उज्जैन, शिवपुरी, सागर, कटनी, बैतूल, खंडवा, इंदौर, रायसेन, मुरैना, धार, हरदा, देवास और राजगढ़ सहित कई इलाकों में तेज बारिश और आंधी की संभावना है। छत्तीसगढ़ में भी सरगुजा, सूरजपुर, रायपुर, बिलासपुर, धमतरी, जांजगीर, दुर्ग, कोरबा और बलरामपुर में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जहां तेज हवाओं के झोंके 65 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकते हैं।

भारत और फ्रांस नई गति और नई ऊर्जा के साथ मिलकर आगे बढ़ रहे

-पेरिस में स्वामीनारायण मंदिर उद्घाटन समारोह को पीएम मोदी ने किया संबोधित

नई दिल्ली, पीएम नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत और फ्रांस के संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक साझेदारी इसलिए भी खास है, क्योंकि ये हमारे पुराने सांस्कृतिक-राजनैतिक संबंधों की मजबूत बुनियाद पर टिकी है। पेरिस में स्वामीनारायण मंदिर के उद्घाटन समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि पेरिस में बना यह भव्य मंदिर सदियों तक दोनों देशों के बीच सहयोग और अवसरों के प्रतीक के रूप में खड़ा रहेगा।

उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में भारत और फ्रांस के संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। मेरे मित्र राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ मिलकर दोनों देश विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी, एआई, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में भारत और फ्रांस नई गति और नई ऊर्जा के साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम 2026 को भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष के रूप में भी मना रहे हैं। यह रणनीतिक साझेदारी इसलिए खास है क्योंकि यह हमारे लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंधों की मजबूत नींव पर आधारित है।

टीएमसी के राज्यसभा सांसद से जुड़े सात ठिकानों पर ईडी का छापा

कोलकाता, टीएमसी के राज्यसभा सांसद मोहम्मद नदीमुल हक से जुड़े दिल्ली, कोलकाता और रांची के सात परिसरों में ईडी ने तलाशी ली है। जांच में कर्टेंट, संदिग्ध वित्तीय लेन-देन और फंडिंग से जुड़े आरोप शामिल हैं। हक का नाम उर्दू दैनिक खअखबार-ए-मशरिकज् से भी जुड़ा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी ने सोमवार सुबह टीएमसी सांसद मोहम्मद नदिमुल हक से जुड़े परिसरों पर एक साथ कार्रवाई की।

एमसीडी और डीयू को जिम्मेदार ठहराया

नई दिल्ली. । दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी इमारत गिरने के मामले में सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने हादसे को लेकर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि बाहर से पढ़ने आने वाले छात्रों के हॉस्टलों की स्थिति बेहद दयनीय और खराब है। सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती।

बारिश के चलते 700 साल पुराना महाकाल द्वार गिरा

उज्जैन. । महाकाल मंदिर से रामघाट जाने वाले प्राचीन मार्ग पर स्थित करीब 700 साल पुराना ऐतिहासिक महाकाल द्वार शनिवार और रविवार की मध्य रात्रि अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के समय द्वार के आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा और जनहानि टल गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद सुबह के समय स्मार्ट सिटी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

20 विदेशियों के पासपोर्ट जारी, विदेश मंत्रालय में हड़कंप

नई दिल्ली फर्जी दस्तावेजों के आधार पर विदेशी नागरिकों के भारतीय पासपोर्ट हासिल करने का मामला सामने आने से विदेश मंत्रालय में हड़कंप मच गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पासपोर्ट पोर्टल के माध्यम से करीब 20 विदेशियों के नाम पर भारतीय पासपोर्ट जारी किए गए। मामले ने ऑनलाइन सत्यापन और दस्तावेज जांच की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिंघवी ने साधा पीएम मोदी पर निशाना

नई दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस स्थित सत्य निकेतन इलाके में तीन मंजिला इमारत ढहने की घटना को लेकर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाए हैं। सिंघवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर हादसे और छात्रों की सुरक्षा को लेकर सरकार से जवाब मांगा।

मुझे बदनाम और फिर पंजाब को लूटने का मौका तलाश रहा विपक्ष- सीएम मान

-अकाली दल सत्ता में लौटने के लिए बीजेपी से गठबंधन की भीख मांग रहा

बठिंडा, पंजाब के सीएम भगवंत मान ने विपक्षी नेताओं पर उन्हें बदनाम करने की कोशिश करने और च्वसालों तक अपना खजाना भरने के बाद एक बार फिर पंजाब को लूटनेज्ज् का मौका तलाशने का आरोप लगाया है। बठिंडा के घुड्डा गांव में च्लोक मिलनीज् कार्यक्रम में उन्होंने दावा किया कि विपक्ष इस बात से परेशान है कि उनकी सरकार लोगों के कल्याण पर पैसा खर्च कर रही है। बीजेपी और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) पर निशाना साधते हुए सीएम मान ने कहा कि दोनों पूर्व सहयोगी एक बार फिर गठबंधन की ओर बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ नेता च्मोदी कोटेज्ज् से हैं और कुछ च्राहुल गांधी कोटेज्ज् से, जबकि वह अकेले च्जनता के कोटेज्ज् से हैं। सीएम मान ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों का पंजाब और उसके लोगों के खिलाफ काम करने का च्संदिग्ध रिकॉर्डज्ज् रहा है और उनके कृत्यों को कभी माफ नहीं किया जा

दिल्ली में अनाधिकृत पांचवीं मंजिल वाली इमारतें होंगी सील

पीजी इमारत हादसे के बाद सीएम रेखा का बड़ा आदेश

नई दिल्ली, । दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में पांच मंजिला इमारत ढहने से सात लोगों की मौत के बाद दिल्ली सरकार ने राजधानी में अनधिकृत निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बिना मंजूरी के बनाई गई पांचवीं मंजिल वाली सभी इमारतों को तत्काल सील करने का आदेश दिया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाली इमारतों के खिलाफ सीलिंग समेत अन्य कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया कि सत्य निकेतन हादसे के बाद एमसीडी के डिप्टी कमिश्नर, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, सुपरिटेंडिंग इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, हादसे में ढही इमारत के मालिक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। सरकार ने हादसे को गंभीरता से लेते हुए सत्य निकेतन और आसपास के इलाकों में स्थित पीजी तथा अन्य इमारतों की बारीकी से जांच शुरू कर दी है। जांच में यदि किसी भवन में निर्धारित नियमों का उल्लंघन पाया गया तो उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी ।हादसे के बाद सत्य निकेतन और आसपास के इलाकों में पीजी में रहने वाले छात्रों के बीच अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

डॉक्टरों पर हमला करने वाले नेताओं को तुरंत हिरासत में लो- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों पर लगातार बढ़ते हमलों पर गहरी चिंता जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को कड़ा निर्देश देकर कहा कि डॉक्टरों के साथ मारपीट करने वाले राजनीतिक दलों के नेताओं को तुरंत हिरासत में लें और उन्हें खुले में घूमने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए। यह सख्त टिप्पणी शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे की याचिका पर सुनवाई के दौरान आई।

शीर्ष न्यायालय कल्याण के शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों पर हुए हमले के मामले में म्हात्रे की जमानत शर्तों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। हालांकि, उनके वकील मुकुल रोहतगी ने बाद में अपनी याचिका वापस ले ली। महाराष्ट्र सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया कि उसने म्हात्रे की जमानत रद्द करने की मांग की है। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को तय की गई है, जिसके लिए अदालत ने नोटिस जारी किया है।सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से ठीक एक दिन पहले, पालघर जिले में भी एक अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर मारपीट की घटना सामने आई थी। आरोप है कि दही हांडी उत्सव के दौरान घायल एक व्यक्ति को अस्पताल से छुट्टी देने को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के कुछ पदाधिकारियों ने अस्पताल में हंगामा कर मारपीट की। सीसीटीवी फुटेज में व्यक्ति को अस्पताल की रिसेप्शनिस्ट को थप्पड़ मारते हुए भी देखा गया, जब रिसेप्शनिस्ट ने बीच-बचाव की कोशिश की थी। इस मामले में पालघर पुलिस ने कम से कम 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसमें शिंदे गुट के कुछ सदस्य भी शामिल हैं।

इसरो का निजीकरण नहीं, सरकारी संस्था ही रहेगी

-चेयरमैन वी. नारायणन बोले- कर्मचारियों की चिंताएं जायज, समाधान करेंगे

बैंगलुरु, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन वी. नारायणन ने स्पष्ट किया है कि इसरो का निजीकरण नहीं हुआ है और यह सरकारी संस्था ही है। उन्होंने संगठन के कर्मचारी संगठनों की ओर से उठाई गई चिंताओं को जायज बताते हुए कहा कि कर्मचारियों की आशंकाओं को दूर करना उनकी जिम्मेदारी है।

नारायणन ने यह बात बेंगलुरु स्पेस एक्सपो (बीएसएक्स) के 9वें संस्करण के उद्घाटन समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत में कही। उनका बयान इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों की ओर से 4 सितंबर को भेजे गए पत्र के बाद आया है। कर्मचारी संगठनों ने इसरो के मैन्युफैक्चरिंग और ऑपरेशनल कामों को निजी संस्थाओं को सौंपने से जुड़े प्रस्तावों पर जवाब मांगा था।

निजी कंपनियों के साथ सहयोग बढ़ेगा

इसरो चेयरमैन ने कहा कि देश के बढ़ते अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए हर साल करीब 50 लॉन्च व्हीकल की जरूरत होगी। भारत में स्पेस इकोनॉमी और अंतरिक्ष क्षेत्र का विस्तार करने के लिए इसरो निजी कंपनियों और स्टार्टअप्स के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसरो सरकारी निवेश के साथ काम कर रहा है। हालांकि, अंतरिक्ष क्षेत्र के बढ़ते दायरे को देखते हुए देश में एक मजबूत स्पेस इकोसिस्टम और स्पेस इकोनॉमी तैयार करना जरूरी है।

कर्मचारियों की चिंताओं को दूर करने का भरोसा नारायणन ने कर्मचारी संगठनों की आपत्तियों पर कहा कि उनके साथियों की चिंताएं जायज हैं और उन्हें स्पष्ट करना संगठन की जिम्मेदारी है। उन्होंने भरोसा दिया कि कर्मचारियों की चिंताओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम करीब 64-65 साल पुराना है और इस समय देश के 56 स्पेस एसेट्स अंतरिक्ष में हैं, जो आम लोगों के लिए उपयोगी सेवाएं दे रहे हैं। हालांकि, देश की जरूरतें इससे कहीं अधिक हैं।

छह साल पहले हुए थे अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधार

इसरो चेयरमैन के मुताबिक, करीब छह साल पहले अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधार लागू किए गए थे। इनका उद्देश्य इसरो की क्षमताओं का उपयोग करते हुए निजी क्षेत्र और स्टार्टअप कंपनियों को सहयोग देना तथा देश के स्पेस इकोसिस्टम का विस्तार करना था। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने का उद्देश्य इसरो का निजीकरण करना नहीं, बल्कि देश की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को बड़े स्तर पर विकसित करना है।

डिवाइडर से टकराकर पलटी पिकअप, 12 लोगों की मौत; 20 घायल

बागपत उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 20 अन्य घायल हो गए। राजस्थान से उत्तर प्रदेश के बदायूं जा रही पिकअप गाड़ी खेकड़ा थाना क्षेत्र में डिवाइडर से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर पलट गई।

हादसे में अब तक 12 लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। मृतकों की पहचान की जा रही है। इससे पहले मेडिकल कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक अजीत चौधरी ने हादसे में छह लोगों की मौत की पुष्टि की थी। बाद में मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई। पुलिस अधीक्षक सूरज राय के मुताबिक, राजस्थान से बदायूं जा रही पिकअप रविवार देर रात करीब 12रू30 बजे खेकड़ा थाना क्षेत्र में डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को खेकड़ा और बागपत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के अलावा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्रों में भेजा गया है।

घायल यात्री कुंवर पाल के अनुसार, हादसे के समय ज्यादातर यात्री पिकअप में सो रहे थे। इसी दौरान अचानक जोरदार आवाज हुई और वाहन पलट गया। पुलिस अधीक्षक सूरज राय ने बताया कि वाहन चालक ने पुलिस को जानकारी दी कि पिकअप को पीछे से किसी दूसरी गाड़ी ने टक्कर मारी थी, जिसके बाद वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया सात पैसे की गिरावट के साथ ही 94.49 पर बंद हुआ। वहीं सुबह रुपया 10 पैसे की मजबूती के साथ लगभग 94.39 से 94.47 के स्तर पर खुला। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने और ईरान अमेरिका तनाव भी दबाव के कारण भी रुपया गिरा है। शेयर बाजार की गिरावट का प्रभाव भी भी रुपये पर आया है। वहीं पिछले कारोबारी दिन अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.53 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में बढ़त दर्ज करते हुए 94.46 के स्तर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेजी की कीमतों में तेजी आई है। ये तेजी अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण आई है। इसी कारण ब्रेंट क्रूड करीब 0.6 फीसदी बढ़कर 96.8 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 92 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह भी कच्चे तेल में भारी तेजी आई है। इसमें ब्रेंट लगभग 7.8 फीसदी और डब्ल्यूटीआई लगभग 10 फीसदी महंगा हुआ था। इस मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास तेल टैंकरों पर हुए जवाबी हमले हैं, जिसने वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं आया है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल के दाम पुराने स्तर पर ही स्थिर बने हुए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को फिलहाल थोड़ी राहत मिली है। तेल कंपनियों ने आज भी कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया।

गौरतलब है कि तेल की कीमतें कई वैश्विक और घरेलू कारकों पर निर्भर करती है। इनमें सबसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतें हैं।

आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही जेएलआर, यूके में 4000 कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी

मुंबई। टाटा मोटर्स के मालिकाना हक वाली लग्जरी कार निर्माता कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) अगले दो सालों में यूनाइटेड किंगडम में बड़े पैमाने पर छंटनी करने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी का लक्ष्य लगभग 4000 कर्मचारियों को काम से निकालना है, जिसमें मुख्य रूप से मैनेजमेंट और वेतनभोगी स्टाफ शामिल होगा। यह कदम जेएलआर की परिचालन लागत को कम करने और वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच अपने बिजनेस मॉडल को अधिक लचीला बनाने की रणनीति का हिस्सा है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 382, निफ्टी 118 अंक गिरा

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 382.62 अंक नीचे आकर 76,132.81 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 118.55 अंक टूटकर 23,779.15 के स्तर पर बंद हुआ।

आज के सत्र में कुल 4729 शेयरों में कारोबार हुआ। इसमें गिरावट वाले शेयरों की संख्या बढ़त वाले शेयरों से ज्यादा थी। 2470 शेयरों में लाल निशान पर कारोबार समाप्त हुआ, जबकि 2018 शेयरों में तेजी रही। वहीं 241 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। निफ्टी पर सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में इन्फोसिस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टेक महिंद्रा, जियो फाइनेंशियल और एचडीएफसी लाइफ के शेयर रहे जबकि अपोलो हॉस्पिटल्स, भारती एयरटेल, एलएंडटी, कोल इंडिया और मैक्स हेल्थकेयर के शेयरों में तेजी रही।

फार्मा सेक्टर ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र रहा जो बढ़त के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), मीडिया, मेटल, पीएसयू बैंक और रियल्टी जैसे सभी प्रमुख सेक्टर इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में भी 0.5 फीसदी की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में बदलाव नहीं हुआ। ये बाजार में बिकवाली के दबाव को दिखाता है।

बाजार में इस गिरावट के पीछे। वैश्विक तेल बेंचमार्क, ब्रेंट क्रूड की कीमतों में बढ़ोतरी एक बड़ी वजह बनकर उभरी, जो 0.78 प्रतिशत बढ़कर 97 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें मुद्रास्फीति की चिंताओं को बढ़ाती हैं, जिसका असर शेयर बाजारों पर पड़ना स्वाभाविक है। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे, जबकि एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला - दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई बढ़त में रहे, लेकिन शंघाई और हांगकांग के सूचकांक लाल निशान पर थे।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार दूसरे सत्र में बिकवाली ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया। शुक्रवार को विदेशी निवेशकोंने भारतीय इक्विटी बाजार से 3,111.94 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। वहीं इससे पहले आज सुबह भी घरेलू बाजार गिरावट के साथ खुला था। सुबह सेंसेक्स 133.65 अंक की गिरावट के साथ 76,381.78 पर कारोबार कर रहा था। वहीं, निफ्टी50 भी 47.30 अंक नीचे आकर 23,850.40 के स्तर पर पहुंच गया।

आवक घटने और त्योहारी मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन के भाव में हुआ सुधार

-बिनौला तेल टूटा, सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव बने रहे स्थिर

नई दिल्ली। बाजार में सोयाबीन की आवक घटने और त्योहारी मांग बढ़ने से बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के भाव में हल्का सुधार दर्ज किया गया। औद्योगिक मांग बढ़ने और अन्य खाद्य तेलों की तुलना में सस्ता होने के कारण कच्चे पाम तेल और पामोलीन की कीमतों में भी तेजी रही। दूसरी ओर आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली किए जाने से सोयाबीन तेल के भाव दबाव में रहे जबकि ऊंची कीमतों पर मांग कमजोर पड़ने से बिनौला तेल भी टूट गया। सुस्त कारोबार के बीच सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव स्थिर बने रहे। सूत्रों के मुताबिक सप्ताहांत में मंडियों में सोयाबीन की आवक घटकर 40-45 हजार बोरी रह गई, जबकि दैनिक मांग करीब 2.5 से 3 लाख बोरी है। आवक कम होने और त्योहारी मांग के कारण सोयाबीन तिलहन में मामूली मजबूती आई। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव 25-25 रुपए बढ़कर क्रमशः 6,700-6,750 रुपए और 6,550-6,650 रुपए प्रति क्विंटल हो गया। वहीं, आयातकों की लागत से नीचे बिक्री का असर सोयाबीन तेल पर पड़ा। सूत्रों के मुताबिक सोयाबीन डीगम के आयात की लागत करीब 125 रुपए प्रति किलो बैठती है, जबकि आयातक इसे करीब 118.50 रुपए प्रति किलो में बेच रहे हैं। इस वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपए घटकर 15,600 रुपए प्रति क्विंटल रह गया। सोयाबीन इंदौर तेल भी 150 रुपए टूटकर 15,400 और सोयाबीन डीगम 200 रुपए गिरकर 11,850 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। औद्योगिक मांग बढ़ने और दूसरे खाद्य तेलों की तुलना में पाम तेल सस्ता होने से सीपीओ और पामोलीन के भाव मजबूत हुए। सीपीओ 150 रुपए बढ़कर 14,100 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली 150 रुपए बढ़कर 16,000 रुपए और पामोलीन एक्स-कांडला 100 रुपए बढ़कर 14,700 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। ऊंचे भाव पर लिवाली कमजोर रहने से बिनौला तेल 400 रुपए गिरकर 16,500 रुपए प्रति क्विंटल रह गया। दूसरी ओर सरसों दाना 8,300-8,350 रुपए और सरसों तेल दादरी 16,800 रुपए प्रति क्विंटल पर स्थिर रहा।

मारुति हर महीने 16,000 से ज्यादा बेचती है बलेनो, अब बनाई नई योजना

कंपनी ने इस सप्ताह करीब 6.1 लाख से शुरू होने वाली नई बलेनो करेगी लॉन्च

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया प्रीमियम हैचबैक की अहमियत बरकरार रहने पर दांव लगा रही है। हालांकि यात्री वाहन बाजार में स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) का दबदबा बढ़ रहा है। यह ऐसे समय हो रहा है, जब चालू वित्त वर्ष के पहले 5 महीने में प्रीमियम हैचबैक श्रेणी ने समूचे उद्योग की तुलना में तेज इजाफा दर्ज किया है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि फिलहाल प्रीमियम हैचबैक उद्योग का स्तर हर महीने करीब 50,000 वाहन होने का अनुमान है और इस श्रेणी में मारुति सुजुकी की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है। बनर्जी ने कहा कि मारुति की प्रीमियम हैचबैक बिक्री अप्रैल और अगस्त के बीच 28 फीसदी बढ़ी, जबकि उद्योग की वृद्धि 17 फीसदी रही। कंपनी नई बलेनो के साथ अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है। इसमें एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम समेत कई नई खूबियां हैं। कंपनी को उम्मीद है कि साल 2030 तक देश में यात्री वाहनों का समूचा बाजार 61 लाख से 63 लाख वाहनों तक पहुंच जाएगा। अनुमान है कि तब तक बाजार में एसयूवी की हिस्सेदारी 62 से 63 फीसदी होगी, जबकि हैचबैक और मल्टी-पर्पज व्हीकल के लिए करीब 37 से 38 फीसदी हिस्सेदारी ही बचेगी। बनर्जी ने कहा कि हमारा मानना है कि यह उद्योग करीब 63 लाख वाहनों का होगा। उन्होंने यह भी कहा कि मारुति को गैर-एसयूवी श्रेणी में काफी गुंजाइश दिख रही है। कंपनी का अनुमान है कि साल 2030 तक यह बाजार लगभग 25 लाख वाहनों तक पहुंच सकता है, जबकि इस क्षेत्र में उसका अपना कारोबार मौजूदा करीब 6 लाख वाहनों से बढ़कर 12 लाख वाहनों तक हो सकता है।

लोकप्रिय थार के 3-डोर संस्करण को नए रूप में पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली। कार निर्माता स्वदेशी कंपनी महिंद्रा अपनी लोकप्रिय थार के 3-डोर संस्करण को एक व्यापक नए रूप में पेश करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में इसके परीक्षण मॉडल को सड़कों पर देखा गया, जिससे आगामी थार 3-डोर फेसलिफ्ट में होने वाले बड़े बाहरी डिजाइन और फीचर बदलावों का खुलासा हुआ है।

अक्टूबर 2025 में हुए छोटे अपडेट्स के विपरीत, यह नया संस्करण कहीं अधिक व्यापक बदलावों के साथ आएगा, हालांकि कंपनी ने अभी इसकी निश्चित लॉन्च तारीख की घोषणा नहीं की है। मौजूदा थार की कीमत 10.32 लाख रुपये से 18 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच है, और नया संस्करण थोड़ी अधिक कीमत पर आ सकता है। परीक्षण के दौरान देखी गई थार 3-डोर फेसलिफ्ट के अगले हिस्से में सबसे बड़ा बदलाव इसकी ग्रिल में दिखाई दिया है। अलग-अलग परीक्षण मॉडलों में पांच-स्लॉट और महिंद्रा थार रॉक्स जैसी छह-स्लॉट ग्रिल देखी गई हैं, जो यह संकेत देती हैं कि महिंद्रा इसे विभिन्न संस्करणों में पेश कर सकती है, जहाँ प्रत्येक संस्करण में अलग डिजाइन की ग्रिल होगी। इस नई ग्रिल के दाहिने हिस्से में एक छोटा उभार भी देखा गया है, जिसे किसी विशिष्ट पहचान चिह्न के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

ग्रिल के अलावा, नए पांच-स्पोक मिश्रधातु पहिए भी देखे गए हैं, जो थार को अधिक आधुनिक लुक देंगे। इंजन में बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। इसमें 1.5 लीटर डीजल (लगभग 119 हॉर्सपावर), 2.2 लीटर डीजल (लगभग 132 हॉर्सपावर) और 2.0 लीटर टर्बो पेट्रोल (लगभग 152 हॉर्सपावर) इंजन विकल्प जारी रह सकते हैं। सभी इंजन छह-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ आएंगे, जबकि बड़े डीजल और पेट्रोल इंजन में छह-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का विकल्प भी होगा। चार-पहिया ड्राइव इन्हीं दोनों बड़े इंजनों के साथ जारी रहने की उम्मीद है, वहीं 1.5 लीटर डीजल केवल दो-पहिया चालित व्यवस्था में उपलब्ध होगा। एक महत्वपूर्ण बदलाव मौजूदा हाइड्रोलिक पावर स्टीयरिंग की जगह इलेक्ट्रिक पावर स्टीयरिंग का शामिल होना हो सकता है, जिससे ड्राइविंग और कम गति पर गाड़ी मोड़ना आसान हो जाएगा।

भारतीय बाजार में होंडा की लॉन्च होंगी 5 नई एसयूवी

नई दिल्ली। भारतीय एसयूवी बाजार में होंडा ग्राहकों की बढ़ती मांग को भुनाने के लिए एक बड़ा दांव लगाने की तैयारी में है। होंडा ने आने वाले सालों में 5 नई एसयूवी मॉडल लॉन्च करने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। यह कदम होंडा की भारतीय ऑटोमोबाइल सेगमेंट में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, खासकर तेजी से लोकप्रिय हो रहे एसयूवी सेगमेंट में। इस लॉन्च सूची में सबसे पहले, होंडा की लोकप्रिय एसयूवी होंडा एलिवेट का फेसलिफ्ट वर्जन अक्टूबर 2026 में फेस्टिव सीजन के आसपास आने की उम्मीद है।

इसमें नए बंपर, रीडिजाइन्ड स्किड प्लेट्स, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स और 360-डिग्री कैमरा जैसे अतिरिक्त फीचर्स मिल सकते हैं। इसके बाद, 2027 की शुरुआत में, होंडा की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी, होंडा 0 अल्फा का प्रोडक्शन वर्जन लॉन्च होगा। इसे एक बिल्कुल नए प्लेटफॉर्म पर तैयार किया जाएगा और इसमें 65 किलोवाट घंटा और 75 किलोवाट घंटा के एलएफपी बैटरी पैक के साथ लगभग 450-500 किमी की रियल-वर्ल्ड रेंज मिलने की उम्मीद है, जो इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में होंडा के प्रवेश का प्रतीक होगा।

2028 तक, होंडा हुंडई क्रेटा जैसी मॉडल्स को कड़ी टक्कर देने के लिए एक नई मिड-साइज एसयूवी भी लाएगी, जिसे पेट्रोल, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक तीनों पावरट्रेन विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, 2027 के अंत में सीआर-वी हाइब्रिड की वापसी भी संभव है, जिसे सीबीयू (कम्पलीटली बिल्ट यूनिट) के तौर पर सीमित संख्या में लाया जा सकता है, जो प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में अपनी पहचान बनाएगी। अंत में, होंडा 2028 में सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में भी वापसी करेगी।

दिवाली पर हुंडई लाएगी नई मिड-साइज एसयूवी

नई दिल्ली। दीवाली के त्यौहार पर भारतीय बाजार में हुंडई मोटर इंडिया एक नई मिड-साइज एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में है। इस एसयूवी का कोडनेम बीसी4आई है। इसकी लंबाई लगभग 4.18 मीटर होने का अनुमान है। यह हुंडई बयॉन के भारतीय प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी और इसका सीधा मुकाबला मारुति सुजुकी विक्टोरिस जैसी गाड़ियों से होगा।

यह नई एसयूवी कई उन्नत फीचर्स के साथ आएगी। इसमें मौजूदा क्रेटा का 1.5-लीटर नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन मिलने की उम्मीद है। इसकी सबसे खास बात इसका कंपनी-फिटेड सीएनजी वर्जन हो सकता है, जिससे यह 4 मीटर से अधिक लंबाई वाली पहली हुंडई सीएनजी कार बन सकती है। सीएनजी सिलेंडर को बूट स्पेस पर कम असर डालने के लिए अंडरबॉडी या ट्विन-सिलेंडर सेटअप में रखा जा सकता है।

सुरक्षा के लिहाज से, इसमें हुंडई का स्मार्टसेंस लेवल-2 एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम मिलने की संभावना है, जिसमें आगे टक्कर की चेतावनी और लेन में गाड़ी बनाए रखने में मदद जैसे फीचर्स शामिल होंगे। डिजाइन की बात करें तो, इसमें एक ऊँचा और बॉक्सी लुक होगा, जो हुंडई की नई डिजाइन भाषा को दर्शाता है। इसमें स्प्लिट हेडलैंप सेटअप, कनेक्टेड एलईडी लाइट बार और आकर्षक एलईडी डीआरएल दिए जाएंगे, जिससे इसे आधुनिक और मस्कुलर अपील मिलेगी। हुंडई मार्च 2027 तक भारत में कुल तीन नई एसयूवी लॉन्च करने की योजना बना रही है, जिनमें यह बीसी4आई भी शामिल है।

पिछले एक महीने में सोना, चांदी और बिटकॉइन ने निवेशकों को दिया अच्छा रिटर्न

-बिटकॉइन 26 फीसदी चढ़कर 80,000 डॉलर के स्तर के पार पहुंच गया

नई दिल्ली। पिछले एक महीने में सोना, चांदी और बिटकॉइन ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। सोने की कीमत करीब 7.6 फीसदी और चांदी की कीमत करीब 6 फीसदी बढ़ी है। वहीं बिटकॉइन करीब 26 फीसदी चढ़कर दोबारा 80,000 डॉलर के स्तर के पार पहुंच गया है। हालांकि, अब इन परिसंपत्तियों की तेजी के सामने अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की संभावित ब्याज दर बढ़ोतरी बड़ी चुनौती बन सकती है।

सीएमई फेडवॉच के मुताबिक बाजार में इस साल के आखिर तक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाने की करीब 58 फीसदी संभावना जताई जा रही है। एक महीने पहले यह अनुमान करीब 45 फीसदी था। ब्याज दर बढ़ने पर अमेरिकी बॉन्ड की यील्ड और डॉलर मजबूत हो सकते हैं। ऐसे में बिना ब्याज देने वाले सोने और चांदी की तुलना में बॉन्ड निवेशकों को ज्यादा आकर्षित कर सकते हैं। बिटकॉइन जैसी जोखिम वाली परिसंपत्तियों पर भी ऊंची ब्याज दरों का दबाव पड़ सकता है।

हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार सोने की स्थिति कुछ अलग हो सकती है। दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की मांग बनी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के कमोडिटी विश्लेषक मानव मोदी के मुताबिक सोने और चांदी को अभी भी मजबूत मांग का समर्थन मिल रहा है, लेकिन फेड का सख्त रुख निकट अवधि में कीमतों के लिए चुनौती बन सकता है। केंद्रीय बैंक भी सोने की मांग को सहारा दे रहे हैं। विश्व स्वर्ण परिषद के आंकड़ों के मुताबिक इस साल जुलाई तक केंद्रीय बैंकों ने करीब 130 टन सोना खरीदा है। चीन समेत कई देशों के केंद्रीय बैंक लगातार अपने स्वर्ण भंडार में इजाफा कर रहे हैं।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के अधिकारी-कर्मचारियों का बढ़ेगा 3 फीसदी डीए

-देश भर की सभी यूनिट्स में कार्यरत करीब 54 हजार कर्मचारियों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली। भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन आने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। कंपनी ने अपने अधिकारी और कर्मचारी संवर्ग के महंगाई भत्ते में करीब 3 फीसदी की बढ़ोतरी करने का फैसला लिया है।

इस फैसले से बोकारो स्टील प्लांट समेत देश में फैली सेल की अन्य सभी यूनिट्स में कार्यरत करीब 54 हजार कर्मचारियों को सीधा लाभ मिलेगा। डीए में इस बढ़ोतरी के बाद सेल-कर्मियों का मौजूदा महंगाई भत्ता 55.7 फीसदी से बढ़कर 58.6 फीसदी हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक महंगाई भत्ते में की गई यह बढ़ोतरी 1 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होगी। इससे कर्मचारियों और अधिकारियों की सैलरी में अच्छा-खासा इजाफा होगा। बता दें लेबर ब्यूरो द्वारा बाजार की स्थितियों का आकलन करने के बाद सेल कामगारों के डीए में यह संशोधन किया गया है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की इस तिमाही में खाद्य पदार्थों और दैनिक उपभोग की अन्य जरूरी वस्तुओं के महंगे होने के बाद यह वृद्धि की गई है। इससे पहले पिछली तिमाही में महंगाई भत्ते में 1.6 फीसदी की बढ़ोतरी की गई थी। सेल कर्मियों को उनके महंगाई भत्ते में हुई इस बढ़ोतरी की पूरी डिटेल उनकी सैलरी स्लिप में मिल जाएगी।

जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक अब 7 अटूबर को होने की संभावना

-12 सितंबर को होने वाली थी यह बैठक, ब्रिक्स सम्मेलन के कारण टाली

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 57वीं बैठक अब 7 अक्टूबर को नई दिल्ली में हो सकती है। पहले यह बैठक 12 सितंबर को होने वाली थी, लेकिन ब्रिक्स सम्मेलन के कारण इसे टाल दिया गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। अभी नई तारीख की आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं हुई है। जीएसटी अधिकारियों की तैयारी के लिए 5 और 6 अक्टूबर को बैठकें होंगी। पहली बैठक 5 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे और दूसरी 6 अक्टूबर को सुबह 11 बजे होगी।

यह एक साल से ज्यादा समय बाद जीएसटी परिषद की पहली बैठक होगी। पिछली बैठक 3 और 4 सितंबर 2025 को हुई थी। इसमें जीएसटी व्यवस्था में बड़े बदलाव को मंजूरी दी गई थी। इन बदलावों के तहत ज्यादातर वस्तुओं और सेवाओं को 5 और 18 फीसदी की दो मुख्य कर दरों में रखा गया था। कुछ महंगी और ज्यादा कर वाली वस्तुओं के लिए 40 फीसदी की विशेष दर भी तय की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर में होने वाली बैठक में इनपुट टैक्स क्रेडिट, रिफंड और जीएसटी अनुपालन से जुड़े कई लंबित मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। कुछ मामलों में आईटीसी के दावे से जुड़ी पाबंदियों को आसान करने और उलटी शुल्क संरचना के कारण जमा हो रहे क्रेडिट की समस्या दूर करने के प्रस्तावों पर भी विचार हो सकता है। जीएसटी परिषद की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करती हैं। इसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्री शामिल होते हैं। नियमों के मुताबिक परिषद की बैठक कम से कम हर तिमाही में एक बार होनी चाहिए, हालांकि कई बार बैठकों के बीच इससे ज्यादा लंबा अंतर भी रहा है।

लायंस क्लब द्वारा पठन पाठन सामग्री का वितरण

मैहर। शिक्षक दिवस के अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में लायंस क्लब द्वारा अधीक्षिका आरती सिंह का सम्मान एवं छात्राओं में पठन पाठन सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष लायन नीरज गर्ग, रश्मि गर्ग, लायन सतविंदर सिंह सरना, देवेंद्र अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, राकेश वर्मा, कुमुदिनी वर्मा, दीपक जैन एवं अर्चना जैन की उपस्थिति रही।

नपा अध्यक्ष ने किया नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन

मैहर। नगर के वार्ड क्रमांक 21 के सरस्वती नगर में लगभग 8 लाख की लागत से 200 मीटर लंबी नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी एवं सभापति अशोक चौबे द्वारा किया गया। नाली निर्माण से क्षेत्रवासियों को जल निकासी की सुविधा का लाभ मिलेगा।

पंचायत उप निर्वाचन के लिए 08 सितंबर से भरे जाएंगे नाम निर्देशन पत्र

सीधी जिले में पंचायत उप निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार 2 जनपद सदस्य, 2 सरपंच और 19 पंच पदों के लिए मंगलवार, 8 सितंबर से नाम निर्देशन पत्र भरे जाएंगे। नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 8 सितंबर को निर्वाचन की सूचना जारी करने के साथ नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने तथा संबंधित पदों के लिए आरक्षण की सूचना का प्रकाशन किया जाएगा। नाम निर्देशन पत्र 8 से 15 सितंबर तक निर्धारित स्थानों पर जमा किए जा सकेंगे। 16 सितंबर को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी।

युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित कर समाज निर्माण की दिशा में बढ़ेगा सीएमसीएलडीपी

सीधी युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जिम्मेदारी और समाजसेवा की भावना विकसित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 का जिले के सीधी, मझौली और कुसमी अध्ययन केंद्रों में प्रवेश उत्सव एवं सत्रारंभ समारोह के साथ शुभारंभ हुआ। कार्यक्रमों में नवागत एवं पूर्व विद्यार्थियों का स्वागत किया गया तथा उन्हें शिक्षा के साथ समाजसेवा, सामुदायिक नेतृत्व, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति और राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिले में चलेगा सेवा संकल्प अभियान

सीधीकलेक्टर विकास मिश्रा ने मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों के अनुपालन में जिले में सेवा संकल्प अभियान के सफल संचालन के लिए आदेश जारी किया है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में प्राप्त निर्देशों के अनुसार जिले में सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। प्रधानमंत्री के 25 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेशभर में सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है।

सीधी के स्थानीय उत्पादों की भोपाल में पहचान बढ़ाने की पहल

सीधी सीधी जिले के स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे स्थानीय उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाने और उन्हें बेहतर बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह ने भोपाल में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय निगम से मुलाकात की।

उपमुख्यमंत्री के आवास में प्रवेश के विरोध में रीवा में प्रदर्शन

करीब 2000 सामाजिक कार्यकर्ता व्यापारी एवं जनप्रतिनिधि हुए शामिलय दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग

रीवा। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के अमहिया स्थित आवास में 6 सितंबर को अवैधानिक तरीके से प्रवेश करने के प्रयास एवं हंगामे की घटना के विरोध में सोमवार को रीवा नगर में जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में करीब 2000 सामाजिक कार्यकर्ताए व्यापारीए नागरिक एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। नगर के विवेकानंद पार्क में एकत्रित व्यापारिक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हाथों में तखतिया लेकर सख्त कार्यवाही किए जाने की मांगके नारे लगाते हुए पार्क से पैदल चलते हुए आईजी कार्यालय पहुंचे जहां पर माग पत्र सौफकर कार्यवाही किए जाने की मांग की गई

प्रदर्शनकारियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए पुलिस प्रशासन से आपराधिक प्रकरण दर्ज करने तथा उपद्रव करने वाले लोगों की गिरफ्तारी की मांग की। प्रदर्शन के बाद पुलिस महानिरीक्षकए रीवा जोन के नाम ज्ञापन सौंपकर घटना में शामिल लोगों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की मांग की गई।

नेताओं ने किया संबोधित प्रदर्शन को रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि हमने बाल जीवन से राजनीति की है परंतु कभी इस तरह की राजनीति नहीं देखी जब मर्यादाओं का उल्लघन इस तरह से हो रहा है सत्ता की भूख में विरोधी दल के लोग सभी मर्यादाओं को भूल कर अपराधियों जैसा आचरण कर रहे हैं घरों में वैधानिक रूप से घुस रहें रीवा कीराजनीतिमें रगे हुए सियार आ गए हैं जिनके लिए राजनीति सिर्फ खेल है मैं ऐसे लोगों को चेतावनी देना चाहता हूं की अति ना करें काजल की कोठरी में बैठे हुए हैं वहीभाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध एवं अपनी बात रखने का अधिकार सभी को हैए लेकिन किसी जनप्रतिनिधि के आवास में जबरन प्रवेश करने का प्रयास अथवा कानून.व्यवस्था को चुनौती देने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जा सकता। पूर्व विधायक के पी त्रिपाठी ने कहा कि राजनीतिक भस्मासुर शुरू को भाजपा कार्यकर्ता उनकी असली औकात दिखाने में सक्षम हैं।

परंतु राजनीतिक मर्यादाओं का हम उल्लंघन नहीं करना चाहते ऐसे लोग सुधर जाएं वरना रीवा की जनता उन्हें फिर असली स्थान पर पहुंचाएगी नगर निगम अध्यक्ष वेंकटेशपांडे ने कहा कि राजनीतिक विरोध अपनी जगह हैए लेकिन कानून हाथ में लेने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। उन्होंने पुलिस प्रशासन से घटना की गंभीरता से जांच कर दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफकड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

भाजपा नेताओं ने कांग्रेस एवं घटना में शामिल बताए जा रहे सामाजिक तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए किसी दुखद घटना को मुद्दा बनाकर शहर का माहौल खराब करने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा रीवा की जनता शांतिए कानून.व्यवस्था और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के साथ है।

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की कि पूरे मामले की जांच उपलब्ध सीसीटीवी फुटेजए वीडियो रिकॉर्डिंग एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर की जाएए ताकि वास्तविक दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई हो सके।

प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में व्यापारी सामाजिक फुटकर विक्रेता संघ के पदाधिकारीजिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी विद्या प्रकाश श्रीवास्तव राम सिंह राजेंद्र ताम्रकार श्रीमती मनीषा पाठककृष्ण प्रिया मैट्रे राजगोपाल चारी कमलेश सचदेवा प्रबोद व्यास नारायण मिश्रा योगेंद्र शुक्ला गणेश अग्रवाल बंसी साहू सुशील खरे राजन वर्माअशोक ऋषि पूर्णिमा तिवारी दीनानाथ वर्मावी कछवाहा देवेंद्र सोहगौरा अधिवक्ता संघ के सचिव सुलभ पांडे श्रीमती सरिता सिंह पूर्व पार्षद सतीश सिंह महेंद्र तिवारी प्रेम प्रकाश पांडे प्रकाश सोनी शिवम द्विवेदी गौरव पांडे डॉ अभियान सिंह छत्रपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में नगर वासी जिलावासीयो ने भाग लिया पुलिस महान निरीक्षण त्वरितकार्यवाही करने का आश्वासन दिया

माटी के गणेश-सिद्ध गणेश की कार्यशाला का आयोजन

मैहर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद मैहर द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं भारतीय संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य से माटी के गणेश सिद्ध गणेश, घर घर गणेश, हर घर गणेश अभियान के अंतर्गत विवेकानंद महाविद्यालय मैहर में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदादेवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यशाला में उपस्थित नवांकुर सखियों, सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र छात्राओं, नवांकुर संस्थाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को माटी से गणेश बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक सुश्री गुनगुन सिंह द्वारा बताया गया कि पीओपी से बनी मूर्तियों से जल प्रदूषण होता है जबकि माटी के गणेश पर्यावरण के अनुकूल है और जल में आसानी से घुल जाते हैं। प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रतियोगियों ने अपने हाथों से मिट्टी के गणेश बनाए। इस अवसर पर समन्वयक प्रदीप तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर यह अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य पर्यावरण बचाना और स्वदेशी परंपरा को जीवित रखना है।

उस्ताद अलाउद्दीन ख़ाँ की पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

मैहर। विश्वविख्यात संगीत साधक उस्ताद अलाउद्दीन खाँ की पुण्यतिथि पर मैहर बैंड के कलाकारों ने मदीना भवन एवं मजार पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। कलाकारों द्वारा मजार पर पुष्प अर्पित कर पुष्पांजलि अर्पित कर बाबा की स्मृति को नमन किया गया। इस अवसर पर मैहर बैंड के कलाकारों ने बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खाँ के स्वयं निर्मित नल तरंग वाद्य से उनकी प्रिय धुन प्रस्तुत कर संगीतमय श्रद्धांजलि दी। बाबा द्वारा निर्मित यह अनूठा वाद्य उनकी रचनात्मकता और संगीत साधना का अद्भुत उदाहरण है।

बच्चों की प्रतिभा और उत्साह के साथ उल्लास कार्यक्रम का गरिमापूर्ण समापन

नृत्य, गायन, फैंसी ड्रेस, बैडमिंटन एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

सीधी बच्चों के चेहरों पर खुशी, उत्साह और उपलब्धि की चमक के साथ जिला न्यायालय सीधी में न्यायिक अधिकारियों एवं न्यायालयीन कर्मचारियों के बच्चों के लिए आयोजित ÷उल्लास-एक अभिनव प्रयोग÷ के अंतर्गत ÷उल्लास कार्यक्रम÷ का गरिमापूर्ण समापन हुआ।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीधी प्रयागलाल दिनकर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में 0 से 8 वर्ष तथा 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों की प्रतिभा और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए नृत्य, गायन, फैंसी ड्रेस, बैडमिंटन एवं चित्रकला सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। बच्चों ने अपनी कला, रचनात्मक सोच और खेल भावना का उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया। चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने विभिन्न विषयों पर आकर्षक एवं संदेशपरक चित्र बनाकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयागलाल दिनकर द्वारा प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सिंगरौली को मिली अत्याधुनिक आधार सेवा केंद्र की सौगात

सातों दिन मिलेगी आधार संबंधी सेवाएं दिव्यांगजनए वरिष्ठ नागरिक एवं गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष सेवा काउंटर

सिंगरौली । आधार सेवाओं को आम नागरिकों तक अधिक सुगमताए पारदर्शिता एवं दक्षता के साथ पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा सिंगरौली में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित आधार सेवा केंद्र का संचालन आम नागरिकों के लिए प्रारंभ कर दिया गया है। नवीन आधार सेवा केंद्र के प्रारंभ होने से जिले के नागरिकों को आधार से संबंधित विभिन्न सेवाओं के लिए बेहतर एवं सुविधाजनक व्यवस्था उपलब्ध होगी। नागरिक अब सर्वे क्रमांक 1245ध्2ए नवानगर मुख्य मार्गए टोयोटा एजेंसी के सामनेए माजनखुर्दए बैढ़नए जिला सिंगरौलीए मध्यप्रदेशद्486887 स्थित नवीन आधार सेवा केंद्र पहुंचकर आधार से संबंधित विभिन्न सेवाओं का लाभ ले सकते हैं। आधार सेवा केंद्र पर नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सप्ताह के सातों दिन सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। केंद्र में दिव्यांगजनए वरिष्ठ नागरिकों एवं गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष सेवा काउंटर की व्यवस्था की गई हैए जिससे उन्हें आधार संबंधी कार्यों के लिए प्राथमिकता के साथ सुविधा मिल सकेगी।

नागरिकों की सुविधा के लिए केंद्र पर ऑनलाइन पूर्व नियुक्ति की व्यवस्था भी उपलब्ध है। नागरिक अपनी आवश्यकता के अनुसार ऑनलाइन समय निर्धारित कर निर्धारित समय पर केंद्र पहुंच सकते हैं। इससे प्रतीक्षा समय कम होने के साथ ही आधार संबंधी कार्य अधिक व्यवस्थित एवं सुगम तरीके से संपन्न किए जा सकेंगे।

एनकॉर्ड समिति की बैठक में नशे के खिलाफप्रभावी कार्रवाई के निर्देश

अवैध मादक फसलों की खेती, तस्करी और प्रतिबंधित दवाओं के उपयोग पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश

सीधी कलेक्टर विकास मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी की उपस्थिति में सोमवार को जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध खेती की रोकथाम के साथ नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई।बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ी सूचनाओं का संबंधित विभाग आपस में नियमित रूप से आदान-प्रदान करें। तस्करी में शामिल अंतर्राज्यीय गिरोहों, उनके सदस्यों और अन्य संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए तथा सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। जिले में अफीम, भांग सहित अन्य मादक फसलों की अवैध खेती पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। अवैध खेती वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां नियमानुसार कार्रवाई करने के साथ लोगों को इसके दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करने को कहा गया। इन क्षेत्रों में खेती के वैकल्पिक साधनों और अन्य विकास गतिविधियों के माध्यम से लोगों को वैध आजीविका के लिए प्रेरित करने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक आयोजित

डीएमएफमद से स्वीकृत निर्माण कार्य समय.सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश

सिंगरौली । कलेक्टर गौरव बैनल की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में समय सीमा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणोंए विकास एवं निर्माण कार्यों तथा जनहित से जुड़े विषयों की विभागवार समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने डीएम मद से स्वीकृत निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके विभाग से संबंधित सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय.सीमा में पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन निर्माण कार्यों को समय.सीमा में पूर्ण नहीं कराया जा रहा हैए उनमें आवश्यकतानुसार राशि सरेंडर करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने नवीन डीएमएफनीति के तहत नवीन निर्माण कार्यों की स्वीकृति के लिए बेसलाइन सर्वे कराकर उसकी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर वहां निवासरत नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच की जाए तथा आवश्यकता के अनुसार उन्हें आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को पाइपलाइन के माध्यम से सप्लाई किए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता की जांच कराने के निर्देश दिए। वहीं कार्यपालन यंत्रीए पीएचई को जिले के जलस्रोतों की जांच कर उनमें निर्धारित मात्रा में क्लोरीन की दवा का छिड़काव सुनिश्चित करने के निर्देश दिएए ताकि नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके।

जिले में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर होंगे विविध आयोजन

साक्षरता रैली, प्रोजेक्ट, नारे लेखन, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं के होंगे आयोजन

सीधी अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर जिले में विभिन्न जागरूकता एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। साक्षरता रैली, साक्षरता प्रोजेक्ट, नारे लेखन, निबंध लेखन एवं भाषण प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों, नवसाक्षरों, अभिभावकों और आम नागरिकों को साक्षरता के महत्व का संदेश दिया जाएगा।

जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस प्रत्येक वर्ष 8 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिवस शिक्षा एवं साक्षरता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा प्रत्येक व्यक्ति को पढ़ने-लिखने और सीखने के अवसर उपलब्ध कराने के संकल्प को दोहराने का अवसर है।

भारत सरकार के निर्देशानुसार तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुसार प्रदेश को शत-प्रतिशत साक्षर बनाने के उद्देश्य से 'उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम' वर्ष 2022 से 2027 तक संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार जिले में 1 सितंबर से 14 सितंबर तक साक्षरता पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। पखवाड़े के दौरान विभिन्न जागरूकता एवं शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जिले में 67 हजार से अधिक असाक्षर हैं। इन्हें वर्ष 2027 तक साक्षर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए शिक्षा विभाग के साथ विभिन्न विभागों, संस्थाओं और समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर विद्यालयों में साक्षरता रैली निकाली जाएगी। इसमें विद्यार्थी, शिक्षक, शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी सहभागिता करेंगे। रैली के माध्यम से 'हर व्यक्ति पढ़े, हर व्यक्ति बढ़े', 'शिक्षा है विकास की पहली सीढ़ी' और 'साक्षर समाज, सशक्त समाज' जैसे संदेश आमजन तक पहुंचाए जाएंगे।

साक्षरता दिवस के अवसर पर जिले के विद्यालयों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए साक्षरता विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें साक्षरता प्रोजेक्ट, निबंध लेखन, भाषण एवं नारे लेखन सहित अन्य गतिविधियां शामिल हैं। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को साक्षरता के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक एवं डिजिटल महत्व से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

पंडित सचिन शर्मा सूर्या को मिली मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग में जिम्मेदारी

भोपाल मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग भोपाल के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. ए.पी. सिंह द्वारा विंध्य क्षेत्र के स्वतंत्र पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता पंडित सचिन शर्मा सूर्या को मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोगएभोपाल में रीवा से आयोग मित्र बनाया गया है। यह जिम्मेदारी दिए जाने पर पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों में हर्ष का माहौल व्याप्त है। मानव अधिकारों के संरक्षणएआमजन की समस्याओं को सामने लाने तथा जरूरतमंद लोगों की आवाज संबंधित मंच तक पहुंचाने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी माना जा रहा है। सचिन सूर्या लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए पहचाने जाते हैं। जिनकी पत्रकारिता में आम नागरिकों की समस्याओंएप्रशासनिक स्तर पर होने वाली परेशानियों कानून.व्यवस्था सामाजिक सरोकारों और जनहित के विषयों को प्रमुखता मिलती रही है। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग द्वारा आयोग मित्र के मनोनयन का उद्देश्य मानव अधिकारों से जुड़े मामलों में आमजन और आयोग के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क कड़ी तैयार करना रहा है। पूर्व में आयोग द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर आयोग मित्रों की नियुक्ति की जाती रही है। जो आम नागरिकों को उनके मानव अधिकारों के प्रति जागरूक करनेएमानव अधिकारों के उल्लंघन से जुड़े मामलों की जानकारी आयोग तक पहुंचाने तथा जरूरतमंद लोगों को उचित मंच तक अपनी समस्या पहुंचाने में सहयोगी की भूमिका निभाते हैं।

मध्यप्रदेश शासन के अधिमान्य पत्रकार पंडित सचिन शर्मा ध्सूर्याध् के आयोग मित्र बनाए जाने को पत्रकारिता और सामाजिक सरोकारों से जोड़कर देखा जा रहा है। जिससे समाज के चौथे स्तंभ के रूप में जमीनी स्तर पर लोगों से लगातार संपर्क में रहने के कारण आम नागरिकों की समस्याओं और मानव अधिकारों से जुड़े मुद्दों को समझने तथा सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा।

बिना विश्वास के कोई काम हो ही नहीं सकता
- नारायणदास

विदेशी निवेशकों का मूड बदला, शेयर बाजार से 7443 करोड़ की निकासी

शेयर बाजार बड़े-बड़े पूंजी निवेशकों की कमाई का अड्डा बन गया है। इसमें छोटे निवेशक और भारतीय संस्थागत वित्तीय निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, लेकिन भारत सरकार और सेबी जैसी संस्थाएं आंख बंद करके बैठी हुए हैं। विदेशी निवेशकों ने 7,443 करोड़ की निकासी की है। जो बाजार के लिए बड़े खतरे की घंटी है। पहले भी विदेशी निवेशक लाखों करोड़ों रुपए निकाल चुके हैं। पिछले दो महीने की खरीदारी से थोड़ी आशा बंधी थी, लेकिन सितंबर माह में अमेरिका-ईरान तनाव, महंगा कच्चा तेल, मजबूत डॉलर और बॉन्ड यील्ड ने विदेशी निवेशकों की चिंता को बढ़ा दिया है। भारतीय शेयर बाजार के विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों की निकासी से एक बार फिर शेयर बाजार में चिंता हो गई है। करीब दो महीने तक भारतीय बाजार में लगातार पैसा लगाने के बाद विदेशी निवेशकों ने सितंबर के पहले सप्ताह में ही 7,443 करोड़ रुपये की निकासी कर ली है। यह केवल आंकड़ों का उतार-चढ़ाव नहीं है, वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों के प्रति विदेशी पूंजी की संवेदनशीलता का संकेत भी है। भारतीय शेयर बाजार से निवेशकों को मुनाफे की जगह घाटा उठाना पड़ रहा है। वहीं भारतीय शेयर बाजार में जोखिम भी बढ़ता जा रहा है। अमेरिका-ईरान तनाव ने कच्चे तेल, डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिसका असर भारत जैसे बाजारों पर पड़ रहा है। यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है। विदेशी निवेशकों का मूड पिछले दो महीनों में ही बदल गया है। चार महीने की लगातार बिकवाली के बाद जुलाई और अगस्त में एफपीआई ने भारतीय बाजार में बड़ी मात्रा में पैसा लगाया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में उन्होंने करीब 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 30,919 करोड़ रुपये का निवेश किया था। दो महीनों में कुल 51,119 करोड़ रुपये की विदेशी पूंजी भारतीय बाजार में आई। इसके तुरंत बाद सितंबर की शुरुआती बिकवाली ने बाजार के सामने फिर वही सवाल खड़ा कर दिया है। जो 4 माह पहले खड़ा हुआ था। विदेशी निवेशकों का भरोसा भारतीय शेयर बाजार में बन नहीं पा रहा है।

भू-राजनीतिक तनाव का असर तथा कंपनियों में धोखाधड़ी की खबरों को लेकर विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार को जोखिम के रूप में देख रहे हैं। शेयर बाजार का उतार-चढ़ाव और निवेश अकेले भारतीय कंपनियों के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं करते हैं। वैश्विक ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की कीमतें और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्ष निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं। अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है। तेल महंगा होने का सीधा असर आयात बिल, महंगाई और चालू खाते पर पड़ता है। इससे कंपनियों की कमाई पर असर पड़ता है। यह आशंका विदेशी निवेशकों को सतर्क कर रही है। भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। महंगाई बढ़ रही है। मांग कम हो रही है। इसका असर कंपनियों के मुनाफे पर दिखने लगा है। पिछले दो महीने में जिस तरह से भारत में आंदोलन धरना प्रदर्शन हो रहे हैं, घोटाले के बड़े-बड़े मामले सामने आ रहे हैं, इससे निवेशक भयभीत होकर शेयर बाजार से बाहर निकल रहे हैं। 2026 में शेयर बाजार से निकासी का यह आंकड़ा चिंताजनक है। सितंबर की शुरुआती बिकवाली ने वर्ष 2026 में विदेशी निवेशकों की कुल निकासी को 2.32 लाख करोड़ तक पहुंचा दिया है। यह आंकड़ा 2025 में 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से अधिक है। बीच-बीच में विदेशी पूंजी की वापसी बाजार में भरोसे का संकेत देती है, उनका बार-बार तेजी से बाहर निकलना, भारतीय शेयर बाजार की विदेशी पूंजी पर निर्भरता को उजागर करता है। विदेशी निवेशक जब शेयर खरीदते हैं, बाजार में तेजी को बल मिलता है। भारी बिकवाली होने का असर कई रूप में देखने को मिल सकता है। छोटे और घरेलू निवेशकों पर इसका मनोवैज्ञानिक असर होता है।

शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था की असली परीक्षा आने वाले कुछ महीनों में सामने आएगी। विशेषज्ञों की नजर विदेशी निवेशकों के उस रुख पर है। यदि अमेरिकी बॉन्ड पर आकर्षक रिटर्न मिलता है। डॉलर मजबूत बना रहता है, ऐसी स्थिति में विदेशी पूंजी का बड़ा हिस्सा उभरते बाजारों से निकलकर विकसित बाजारों में निवेश की संभावना बढ़ेगी। जो भारतीय बाजार के लिए विदेशी पूंजी के उतार-चढ़ाव के बावजूद अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती है। भारतीय अर्थ व्यवस्था की घरेलू मांग, कंपनियों की आय, सरकारी निवेश और घरेलू संस्थागत निवेशक, बाजार को सहारा दे सकते हैं। वैश्विक जोखिमों को देखते हुए भारतीय शेयर बाजार में दोहरी मार पड़ रही है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारतीय शेयर बाजार में नए इशू आ रहे हैं। इसमें मनमाना प्रीमियम लिया जा रहा है। विदेशी निवेशक इस खेल को अच्छी तरह से समझते हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय शेयर बाजार में उनके लिए दीर्घकालीन निवेश करने के लिए कोई अवसर नहीं है। जिसके कारण विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार पैसा निकाल रहे हैं। निवेश करने में रुचि नहीं ले रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ी चेतावनी है।

हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए ज्ञान की रोशनी

(अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस (8 सितंबर) पर विशेष)

दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितंबर को विश्वभर में च्अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवसज् मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की 60वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितंबर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितंबर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है।

निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितंबर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितंबर को च्अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवसज् मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है।

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं लेकिन विडम्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है च्लोगों, धरती और समृद्धि के लिए साक्षरताज्। वर्ष 2025 और 2024 में साक्षरता दिवस क्रमशः च्डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देनाज् और च्बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देना- आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरताज् थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्ति पर ध्यान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय च्साक्षरता सतत विकासज् रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु च्साक्षरता और स्वास्थ्यज् थी, जिसके जरिये टीबी, कॉलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय च्साक्षरता और सशक्तिकरणज् रखा गया था जबकि 2010 की थीम च्साक्षरता विकास को बनाए रखनाज् थी। 2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम च्साक्षरता और महामारीज् (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी च्साक्षरता और सशक्तिकरणज। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए च्साक्षरता और शांतिज, 2014 में च्21वीं शताब्दी के लिए साक्षरताज्, 2015 में च्साक्षरता और सतत विकासज्, 2016 में च्अतीत पढ़ना, भविष्य लिखनाज्, 2017 में च्डिजिटल दुनिया में साक्षरताज्, 2018 में च्साक्षरता और कौशल विकासज् अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में च्साक्षरता और बहुभाषावादज्, वर्ष 2020 में च्कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षणज्, 2021 में च्मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरता- डिजिटल विभाजन को कम करनाज् (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरी- नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में च्ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेसज् (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में च्संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देना- टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माणज् (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशन- बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी।

हनुमान अंश - भारत की जड़ों से संवाद करती फिल्म

भारत को समझना हो तो उसकी जड़ों तक जाना होगा और भारत की जड़ों को समझना हो तो उसकी आध्यात्मिक चेतना को अनुभव करना होगा। इसी चेतना का एक उज्ज्वल प्रतिबिंब है च्हनुमान अंशज। यह केवल एक फिल्म नहीं, भारतीय जीवन-दर्शन की उस धारा का सिनेमाई रूप है, जो मनुष्य को उसकी मिट्टी, उसकी आस्था, उसकी संस्कृति और उसकी आत्मिक पहचान से जोड़ती है। भारत वह भूमि है, जिसकी आत्मा प्रकाश में रमी हुई है। च्हनुमान अंशज् इसी प्रकाश का एक चलचित्र है। इसकी चमक केवल पर्दे पर दिखाई देने वाली रोशनी नहीं, बल्कि दर्शक के भीतर जागने वाली अनुभूति है। यही कारण है कि यह फिल्म धीरे-धीरे दर्शकों के मन में स्थान बनाती गई और देखते ही देखते एक असाधारण सिनेमाई घटना में परिवर्तित हो गई। फिल्म की यात्रा भी अपने आप में एक कहानी है। शुरुआत में इसका प्रदर्शन सीमित रहा। प्रचार का विस्तार भी अपेक्षाकृत छोटा था। पहले दिन इसकी कमाई लगभग दस लाख रुपये रही और शुरुआती सप्ताह में भी इसकी गति साधारण रही। लेकिन भारतीय समाज की एक विशेषता है, जब कोई कथा उसके मन की गहराई को छू लेती है, तब उसके प्रचार का माध्यम स्वयं समाज बन जाता है। यही च्हनुमान अंशज् के साथ हुआ।

दर्शकों ने फिल्म देखी, अनुभव की और फिर उसके बारे में अपने परिवार, मित्रों और परिचितों से बात की। धीरे-धीरे वर्ड ऑफ माउथ ने वह काम किया, जिसे बड़े प्रचार अभियान भी हमेशा नहीं कर पाते। शो बढ़ने लगे, दर्शकों की संख्या बढ़ी और तीसरे-चौथे सप्ताह तक फिल्म ने ऐसी छलांग लगाई कि व्यापार विश्लेषक भी इसकी गति को असाधारण मानने लगे। एक रिपोर्ट के अनुसार चौथे सप्ताह तक फिल्म भारत में 70 करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी थी और इसके शो शुरुआती संख्या से कई गुना बढ़ गए। आज उपलब्ध बॉक्स ऑफिस आंकड़े इस यात्रा को और अधिक प्रभावशाली बनाते हैं। लगभग 2 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने 100 करोड़ के आसपास की कमाई का आंकड़ा पार किया है। यह अनुपात अपने आप में भारतीय सिनेमा के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। यहाँ प्रश्न केवल कमाई का नहीं है। असली प्रश्न है दर्शकों ने इसमें ऐसा क्या देखा, जो उन्हें बार-बार सिनेमाघर तक ले गया? उत्तर शायद इसकी कथा की आत्मीयता में छिपा है च्हनुमान अंशज् नीम करोली बाबा के जीवन और आध्यात्मिक प्रभाव से प्रेरित फिल्म है। उनके जीवन में भक्ति, सेवा, प्रेम, करुणा और मानवता के भाव प्रमुख रहे। फिल्म ने इन्हीं भावों को केंद्र में रखकर एक ऐसी कथा प्रस्तुत की, जिसमें आध्यात्मिकता जीवन से अलग दिखाई देने वाली अवधारणा नहीं, बल्कि जीवन को अर्थ देने वाली अनुभूति बन जाती है।

आज का युवा संसार अत्यंत तीव्र गति से बदल रहा है। तकनीक, सोशल मीडिया, प्रतिस्पर्धा और उपलब्धियों की दौड़ ने जीवन की गति बढ़ाई है। ऐसे समय में मन को ठहराव देने वाली कथा, आत्मा को स्पर्श करने वाला विचार और अपनी सांस्कृतिक स्मृतियों से जोड़ने वाला अनुभव स्वाभाविक रूप से आकर्षण पैदा करता है। च्हनुमान अंशज् की लोकप्रियता में इसी भावभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका दिखाई देती है। कुछ विश्लेषणों ने भी इसकी सफलता को ऐसी कहानियों के प्रति दर्शकों की बढ़ती रुचि से जोड़ा है, जो उन्हें शांति और अपनी संस्कृति से जुड़ाव का अनुभव देती हैं। इस सफलता ने भारतीय फिल्म उद्योग के सामने एक महत्वपूर्ण विचार भी रखा है कि बजट फिल्म की भव्यता रच सकता है, लेकिन दर्शकों का प्रेम उसकी आत्मा तय करता है।बड़े सितारे, विशाल सेट, महंगा प्रचार और भारी निवेश अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, किंतु अंततः सिनेमा दर्शक के हृदय में स्थान बनाकर ही दीर्घजीवी होता है। च्हनुमान अंशज् ने सीमित संसाधनों के साथ जिस तरह दर्शकों तक अपनी पहुँच बनाई, वह इस बात का उदाहरण है कि कहानी में आत्मीयता हो, भाव में प्रामाणिकता हो और विषय समाज की चेतना से जुड़ा हो, तो दर्शक स्वयं उसके सबसे प्रभावशाली प्रचारक बन जाते हैं।

शांति के लिए संतुलन जरूरी है...

अति हमेशा नुकसान दायक है। यह नियम अच्छी और बुरी दोनों आदतों पर लागू होता है। ऋषि-मुनियों ने अति को वर्जित ही बताया है। बुद्ध ने एक शब्द दिया था मंझम मग्ग यानी मध्यम मार्ग। जीवन का यह संतुलन उन्हें एक दिन वह सब दिला गया जिसके लिए उनकी पूरी तपस्या थी। अपनी बोध प्राप्त की अवस्था में उनसे एक प्रश्न पूछा गया था जिसका उन्होंने बड़ा सुंदर उत्तर दिया था। किसी का प्रश्न था उनसे अब आपको क्या मिला? क्या वह प्राप्त हो गया जिसके लिए आपके सारे प्रयास थे? बुद्ध ने कहा- नया कुछ नहीं मिला, जो कुछ मेरे पास पहले से था, पाया ही हुआ था, पूर्व उपलब्ध था, उसका ज्ञान हो गया, पता चल गया उसका। वह दौलत अपने ही भीतर थी हम बाहर ढूंढ रहे थे।

जिसके कारण बाहर निकला, वो तो मेरे भीतर निकला। हम दो भूलें कर जाते हैं या तो बिल्कुल बाहर संसार पर टिक जाते हैं या एकदम भीतर उतर जाते हैं। ये अतियां हमारे लिए हमारे अध्यात्म की दुश्मन बन जाती हैं। आचार्य श्रीराम शर्मा संसार में संतुलन से चलने के लिए एक अच्छा उदाहरण बताया करते थे। दुनिया में ऐसे चलो जैसे पानी में हाथी चलता है। हाथी जानता है पानी में जल्दबाजी करूंगा तो कीचड़ या गड्ढे में गिर सकता हूं। लिहाजा आगे और पीछे के पैर रखने में वह गजब का संतुलन बनाता है। बस, ऐसा ही संतुलन हमें बाहर और भीतर की यात्रा में रखना होगा। जैसे ही हम संतुलन में आते हैं हमारी अंतर दृष्टि स्पष्ट हो जाती है और हम स्वयं को पहचान जाते हैं। स्वयं को जानते ही परमात्मा दिख जाता है। भगवान होना नहीं पड़ता, बस यह समझना पड़ता है कि हम हैं ही भगवान। जरा सा स्वयं का पता लगा और दुनिया बदली। इसीलिए संतुलन जरूरी है संयम की अति से।

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, भाद्रपद कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय, पूर्वे शुक्रोदय, पश्चिमी तिथि, 8द्वादशी, मंगलवार, पुण्य नक्षत्रे, वल योगे, तैतिल करणे, कर्क की चंद्रमा, गौवंश द्वादशी, 12 प्रदोषव्रत, 13 मूल प्रारंभ, 4/39 सर्वार्थ सिद्ध योग, कन्यायाम भोम 18/42 तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, उत्तमवृति वाला, योगी-भोगी, वक्ता-अधिवक्ता, बॉडी मेकर, सम्पतिवान होगा।

मेष राशि :- स्त्री-वर्ग से भोग-एश्वर्य की प्राप्ति किन्तु व्यवसायिक तनाव तथा क्लेश प्राप्त होगा।

वृष राशि :- धन और समय की सुरक्षा करें, योजनायें फलीभूत हों तथा सामाजिक सम्मान अवश्य ही मिलेगा।

मिथुन राशि :- अनुकूल सफलता का हर्ष, बिगड़े कार्य बनेंगे, कार्य कुशलता से संतोष अवश्य ही होगा।

कर्क राशि :- धन लाभ, बिगड़े कार्य बनने के योग, कार्य कुशलता पर ध्यान दें, समय पर कार्य करें।

सिंह राशि :- विशेष कार्य स्थगित रखें, लेनदेन के मामले में सतर्कता रखें तथा कार्य बनेंगे।

कन्या राशि :- धन हानि, मानसिक व्यग्रता से बचें तथा भोग-एश्वर्य की प्राप्ति होगी, कार्य सम्पन्न करें।

तुला राशि :- मन उद्विग्नता से परेशानी बनेगी, विघटनकारी तत्व परेशान करेंगे, सतर्कता से कार्य अवश्य करें।

वृश्चिक राशि :- प्रतिष्ठा बाल-बाल बचे, विशेष कार्य से हानि हो सकती है, समय का ध्यान अवश्य रखें।

धनु राशि :- विक्षम, उपद्रव से बचें, विशेष कार्य में हानि हो सकती है, समय का ध्यान अवश्य ही रखें।

मकर राशि :- धन का व्यय, असमर्थता का वातावरण रहेगा तथा इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे।

कुंभ राशि :- कार्ययोजना फलीभूत होंगे, सफलता के साधन जुटायें, मन में प्रसन्नता बनी रहेगी।

मीन राशि :- स्त्री-वर्ग से सुख, हर्ष मिलेगा, बिगड़े कार्य बनेंगे, समय का लाभ अवश्य ही लें।

रक्षा समझौते की आड़ में पाकिस्तान का बढ़ता सैन्य जमावड़ा

- तुर्किये से ड्रोन और आधुनिक हथियारों की बढ़ती आमद, सऊदी-पाक-तुर्किये गठजोड़ ने बदली क्षेत्रीय सुरक्षा की तस्वीर*

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति लंबे समय से दबाव में है, लेकिन इसके बावजूद उसकी सैन्य तैयारियों का विस्तार लगातार जारी है। सऊदी अरब और तुर्किये के साथ हाल में हुए रक्षा सहयोग ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। पाकिस्तान के लिए यह साझेदारी केवल कूटनीतिक समर्थन तक सीमित दिखाई नहीं देती, बल्कि आधुनिक ड्रोन, मिसाइल तकनीक और लड़ाकू विमानों की क्षमता बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। यही वजह है कि दक्षिण एशिया की सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखने वाले विशेषज्ञ इस नए सैन्य समीकरण को गंभीरता से देख रहे हैं।

अगस्त में पाकिस्तान के विभिन्न सैन्य हवाई अड्डों पर तुर्किये के सैन्य परिवहन विमानों की आवाजाही ने भी इन आशंकाओं को बढ़ाया है। रिपोर्टों के अनुसार, कुछ ही दिनों के भीतर तुर्किये के सी-130 और ए-400एम जैसे परिवहन विमानों ने पाकिस्तान के अलग-अलग एयरबेस का इस्तेमाल किया। इस गतिविधि को दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग के संदर्भ में देखा जा रहा है। हालांकि हथियारों की वास्तविक मात्रा और पूरी खेप के बारे में स्वतंत्र रूप से उपलब्ध जानकारी सीमित है, लेकिन दोनों देशों के बीच सैन्य तकनीक और उपकरणों का सहयोग कोई नई बात नहीं है।

तुर्किये पहले से ही पाकिस्तान के रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण साझेदार बन चुका है। ड्रोन तकनीक से लेकर नौसैनिक परियोजनाओं और लड़ाकू विमानों के आधुनिकीकरण तक दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ा है। पाकिस्तान को तुर्किये की बायरक्तार टीबी2 और अकिंसी जैसी ड्रोन प्रणालियों में रुचि है। इन प्लेटफॉर्मों की खासियत यह है कि इनका इस्तेमाल निगरानी के साथ-साथ सटीक हमलों के लिए भी किया जा सकता है। अकिंसी जैसे भारी ड्रोन अपेक्षाकृत अधिक पेलोड ले जाने में सक्षम हैं और लंबी अवधि तक अभियान में इस्तेमाल किए जा सकते हैं।

इसके साथ ही तुर्किये की केमांकेश जैसी मानव रहित क्रूज मिसाइल तकनीक भी पाकिस्तान की सैन्य क्षमता के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। ऐसी प्रणालियां आधुनिक युद्ध में पारंपरिक हथियारों से अलग भूमिका निभाती हैं, क्योंकि इन्हें लक्ष्य की पहचान और सटीक हमले के लिए आधुनिक सेंसर तथा मार्गदर्शन तकनीक से जोड़ा जा सकता है। पाकिस्तान के लिए इस तरह की तकनीक हासिल करना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल के वर्षों में ड्रोन और मानवरहित प्रणालियां युद्ध की रणनीति का अहम हिस्सा बन चुकी हैं।

तुर्किये का सहयोग केवल नए हथियारों की खरीद तक सीमित नहीं है। पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों की क्षमता बढ़ाने और उनके एवियोनिक्स तथा हथियार प्रणालियों को आधुनिक बनाने में भी तुर्किये की भूमिका रही है। पुराने लड़ाकू विमानों की सेवा अवधि और परिचालन क्षमता बनाए रखना किसी भी वायुसेना के लिए महत्वपूर्ण होता है। इस दृष्टि से पाकिस्तान अपने मौजूदा सैन्य संसाधनों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की रणनीति पर आगे बढ़ता दिखाई देता है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुआ मक्का संयुक्त रक्षा समझौता है। इस समझौते को तीनों देशों के बीच रणनीतिक और सैन्य सहयोग को संस्थागत रूप देने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। यदि किसी एक साझेदार की सुरक्षा पर गंभीर संकट आता है तो अन्य देशों के समर्थन का प्रावधान इस समझौते को सामान्य रक्षा सहयोग से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बना देता है। इसी कारण इसकी तुलना कई स्तरों पर सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था से की जा रही है, हालांकि इसे सीधे नाटो का विकल्प मानना जल्दबाजी होगी।

इस गठजोड़ में तीनों देशों की अलग-अलग ताकतें हैं। सऊदी अरब के पास आर्थिक संसाधन और ऊर्जा क्षेत्र में प्रभाव है। तुर्किये के पास मजबूत सैन्य ढांचा, रक्षा उद्योग और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकों का अनुभव है। पाकिस्तान के पास बड़ी सेना, परमाणु क्षमता और मिसाइल प्रणालियों का व्यापक आधार है। यदि इन तीनों देशों के बीच सैन्य सहयोग लगातार गहरा होता है तो पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया तक इसका रणनीतिक प्रभाव पड़ सकता है।

पाकिस्तान की घरेलू आर्थिक स्थिति इस सैन्य विस्तार को और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है। देश कर्ज, महंगाई और राजकोषीय दबाव से जूझ रहा है। इसके बावजूद रक्षा बजट में वृद्धि हुई है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के अनुसार पाकिस्तान का सैन्य खर्च 2025 में करीब 11.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया था, जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि थी। इसका अर्थ यह है कि आर्थिक कठिनाइयों के बीच भी इस्लामाबाद अपनी सुरक्षा और सैन्य क्षमता को प्राथमिकता दे रहा है।

पाकिस्तान के लिए सैन्य आधुनिकीकरण का एक बड़ा कारण भारत के साथ उसका लगातार बना हुआ रणनीतिक तनाव भी है। हालिया सैन्य घटनाक्रमों के बाद पाकिस्तान अपनी वायु रक्षा, ड्रोन क्षमता और सटीक हमले की क्षमता को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। आधुनिक युद्ध में बड़ी संख्या में पारंपरिक सैनिकों के बजाय निगरानी ड्रोन, स्वचालित प्रणालियां, मिसाइल और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता निर्णायक भूमिका निभाने लगी हैं। इसलिए पाकिस्तान का ध्यान इन क्षेत्रों में अपनी ताकत बढ़ाने पर होना स्वाभाविक है।

लेकिन पाकिस्तान की चुनौती केवल बाहरी मोर्चे तक सीमित नहीं है। बलूचिस्तान में लंबे समय से चल रहा विद्रोह इस समय उसके लिए गंभीर आंतरिक सुरक्षा संकट बना हुआ है। बलूच लिबरेशन आर्मी और दूसरे हथियारबंद समूहों की गतिविधियों ने पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार दबाव बनाया है। बलूचिस्तान क्षेत्रफल के लिहाज से पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है और प्राकृतिक संसाधनों से भी समृद्ध है। यहां सुरक्षा की चुनौती का सीधा संबंध पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा संसाधनों और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे जैसी परियोजनाओं से भी जुड़ जाता है।

बलूचिस्तान में विद्रोही गतिविधियों से निपटने के लिए पाकिस्तानी सेना पर लगातार दबाव है। पाकिस्तान सरकार और सेना के लिए समस्या यह है कि केवल सैन्य कार्रवाई से इस संकट का स्थायी समाधान आसान नहीं है। क्षेत्रीय असंतोष, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, संसाधनों के बंटवारे और विकास से जुड़े सवाल भी लंबे समय से उठते रहे हैं। यदि इन मुद्दों का राजनीतिक समाधान नहीं खोजा गया तो सैन्य अभियानों के बावजूद अस्थिरता बनी रह सकती है।

यही वह बिंदु है जहां पाकिस्तान की बढ़ती सैन्य क्षमता और उसकी आंतरिक कमजोरियां एक-दूसरे के सामने खड़ी दिखाई देती हैं। एक तरफ देश अत्याधुनिक ड्रोन और मिसाइल तकनीक हासिल करने की कोशिश कर रहा है, दूसरी तरफ उसे अपने ही एक बड़े प्रांत में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार सैन्य संसाधन लगाने पड़ रहे हैं। आर्थिक दबाव के बीच रक्षा खर्च बढ़ाना भी सरकार के लिए आसान फैसला नहीं है।

फिल्म वर्ग पहेली- 7318

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तस्वीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विक्रम भट्ट, सुष्मिता, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काले कौवा शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सजना से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२५. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अश्मित, मौना की फिल्म-३
२९. गुरुदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नहीं' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'मल्लाहें' में नायक?-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि कपूर, सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'खोली हवा छू गई खोला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगू ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, मिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अस्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 7317

अफ़गानिस्तान में भूकंप- हिंदूकुश क्षेत्र में रहा केंद्र, तीव्रता 4.1

काबुल। अफ़गानिस्तान के उत्तरी-पूर्वी हिस्से में सोमवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसने एक बार फिर इस क्षेत्र की भूवैज्ञानिक संवेदनशीलता को उजागर किया। दर्ज आंकड़ों के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.1 मापी गई। यह भूकंप भारतीय समयानुसार तड़के लगभग 4 बजकर 36 मिनट पर आया, जिसका केंद्र अफ़गानिस्तान के फ़ैज़ाबाद शहर से लगभग 112 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पूर्व में स्थित हिंदूकुश पर्वतीय क्षेत्र में था। भूकंप का हाइपोसेंटर, यानी गहराई, ज़मीन की सतह से काफी नीचे, लगभग 130 किलोमीटर पर दर्ज की गई।

इंडोनेशिया में समुद्र के बीच फटी ज्वालामुखी, आसमान घने राख के गुबार से ढक गया

जकार्ता। इंडोनेशिया में समुद्र के बीच मौजूद अनाक क्राकाटोआ ज्वालामुखी में जोरदार विस्फोट हुए और देखते ही देखते आसमान घने राख के गुबार से ढक गया। हालात इतने गंभीर हो गए कि इंडोनेशिया के सोएकार्नो-हट्टा एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन रोकना पड़ा। यात्री विमान उड़ान भरने के लिए तैयार थे, लेकिन आसमान में करीब 50 हजार फीट की ऊंचाई तक उठी ज्वालामुखी राख ने हवाई यातायात को थाम दिया। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए कई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि कुछ विमानों के रास्ते बदले गए। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि ज्वालामुखीय राख विमान के लिए बेहद खतरनाक होती है।

जुर्म की दुनिया का बादशाह बनने से पहले ही नाबालिग का अंत

मैक्सिको। मैक्सिको के मिचोआकान प्रांत से ड्रग कार्टेल की नृशंस दुनिया से जुड़ी एक और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। सुरक्षा बलों के साथ हुई एक भीषण मुठभेड़ में मात्र 15 वर्षीय एक कुख्यात शूटर और उसके ड्रग्स तस्कर चाचा की मौत हो गई, जिसने इस आपराधिक चक्र के एक भयावह अध्याय का अंत कर दिया। मृतक किशोर की पहचान अल्बर्टो युचिटो निनी सैंडोवाल के रूप में हुई है, जिसके बारे में अधिकारियों का आरोप है कि इतनी कम उम्र में ही वह एक हिटमैन टीम की निगरानी करता था और सोशल मीडिया के माध्यम से दूसरे नाबालिगों को कार्टेल में शामिल करने की कोशिश करता था।

ट्रंप की ईरान को सीधी धमकी- बाय-बाय खर्ग से ट्रंप स्ट्रेट तक

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अपनी सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए फिर बड़े हमले का सीधा संकेत दिया है। हाल ही में उन्होंने पश्चिम एशिया के एक नक्शे पर ईरान को अपने चेहरे के आकार में दिखाकर अपनी तस्वीर साझा की, जिसे ईरान पर अमेरिकी कब्जे की धमकी के तौर पर देखा जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप के इसतरह के बयान लगातार सामने आ रहे हैं, जो ईरान पर बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई की आशंका को बढ़ा रहे हैं।

युद्ध अमेरिका ने शुरू किया, कीमत चुका रही दुनिया

ईरान को बता रहा जिम्मेदार

-इस्माइल बाघेई ने कहा- जानबूझकर थोपे गए इस युद्ध से समुद्री व्यापार हुआ बाधित

तेहरान। युद्ध अमेरिका ने शुरू किया, लेकिन कीमत पूरी दुनिया चुका रही है और जिम्मेदार ईरान को बताया जा रहा है। यह बात होर्मुज के बिगड़ते हालात को लेकर ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कही। बाघेई ने कहा कि अमेरिका की ओर से जानबूझकर थोपे गए इस युद्ध से पूरा समुद्री व्यापार बाधित हो गया। ऊर्जा की कीमतें बढ़ गईं और पूरी दुनिया के सामने एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

बाघेई ने एक्स पोस्ट में लिखा- होर्मुज स्ट्रेट 28 फरवरी तक पूरी तरह खुला हुआ था, लेकिन इसके बाद अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमला किया। इसके साथ ही वॉशिंगटन ने क्षेत्र में एक अवैध और विनाशकारी युद्ध शुरू कर दिया, जिससे व्यापारिक जहाजों की सामान्य आवाजाही प्रभावित हो गई। तेल टैंकर रुक गए हैं, व्यापार बाधित हो गया है और ऊर्जा की कीमतें बढ़ रही हैं। बाघेई ने कहा कि अब अमेरिका दुनिया के सामने उस व्यवधान का बिल पेश करने की कोशिश कर रहा है, जो खुद उसके कारण पैदा हुई है और उसका जिम्मेदार ईरान को ठहराना चाहता है। वॉशिंगटन के नजरिए में अमेरिका की ओर से शुरू किए गए युद्ध की कीमत को किसी तरह ईरान के व्यवहार की वजह बताकर दुनिया के सामने पेश किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका ने युद्ध शुरू किया, लेकिन वह चाहता है कि इसकी कीमत पूरी दुनिया चुकाए, जबकि इस स्थिति के लिए ईरान को जिम्मेदार बताया जा रहा है। यह पूरी तरह से बेतुकी और अविश्वसनीय बात है। होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष की वजह से तनाव की स्थिति बनी हुई है। इस कारण समुद्री यातायात बुरी तरह से प्रभावित है, जो कि वैश्विक व्यापार के लिहाज से अच्छी खबर नहीं है। बराबर का जवाब देने का दौर अब खत्म

ईरान के आईआरजीसी की चेतावनी के बाद होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश कर रहे तीन जहाजों ने अपना रास्ता बदल लिया और लौट गए। इनमें दो तेल टैंकर और एक तरलीकृत प्राकृतिक गैस वाहक शामिल है। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने भी संसद के खुले सत्र में कहा कि ईरान के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ किसी भी हमले का जवाब त्वरित, ज्यादा सख्त और दर्दनाक होगा। खुले सत्र में उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों को यह पता होना चाहिए कि बराबर का जवाब देने का दौर अब खत्म हो चुका है।

छात्रों से भरी बस खाई में गिरी, 25 की मौत! मरने वाले ज्यादातर बच्चे

प्रइया। अफ्रीकी देश केप वर्डे में एक भयावह सड़क दुर्घटना ने पूरे राष्ट्र को शोक में डुबो दिया है, जहां यात्रियों से भरी एक बस पहाड़ी सड़क से फिसलकर लगभग 30 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 25 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जिनमें से अधिकांश मृतक स्कूली छात्र, किशोर और युवा बताए जा रहे हैं। यह हादसा शनिवार शाम को फोगो द्वीप के उत्तरी पहाड़ी इलाके में कैंपानास डी सिमा रोड पर हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, बस अचानक सड़क से अनियंत्रित होकर बाहर निकली और देखते ही देखते चट्टानी खाई में जा समाई, जिससे एक भीषण और मर्मस्पर्शी मंजर पैदा हो गया।

हादसे में जान गंवाने वालों में बड़ी संख्या में माध्यमिक विद्यालय के छात्र शामिल थे, जो अपनी दिनचर्या के तहत यात्रा कर रहे थे। इस दुर्घटना ने कई परिवारों को हमेशा के लिए तोड़ दिया है और स्थानीय समुदाय में गहरा सदमा फैला दिया है। बस में सवार कई अन्य यात्री भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें दो किशोर लड़कियों की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। घायलों को तत्काल स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आखिर बस किस कारण से सड़क से बाहर निकली और खाई में गिरी। दुर्घटना की वास्तविक वजह जानने के लिए अधिकारियों ने तत्काल प्रभाव से गहन जांच शुरू कर दी है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके। केप वर्डे के प्रधानमंत्री फ्रांसिस्को कार्वाल्हो के नेतृत्व में एक विशेष टीम फोगो द्वीप पर पहुंची है, जिसमें सर्जन और मनोवैज्ञानिक जैसे विशेषज्ञ शामिल हैं। ये विशेषज्ञ न केवल घायलों के इलाज में मदद कर रहे हैं, बल्कि हादसे में अपनों को खोने वाले परिवारों को भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक सहायता भी प्रदान कर रहे हैं। केप वर्डे के राष्ट्रपति जोसे मारिया नेवेस ने इस हादसे को एक बड़ी त्रासदी करार दिया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है, साथ ही राष्ट्रीय शोक की घोषणा भी की है। हादसा इतना भयावह था कि स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, सात पीड़ितों का अंतिम संस्कार दुर्घटना के कुछ ही समय बाद करना पड़ा, क्योंकि उनके शवों की स्थिति बेहद खराब थी और पहचान करना भी मुश्किल हो रहा था।

चिंतन के मूल सिद्धांत को समझने वाला हिंदू- डॉ.भागवत

लंदन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने ब्रिटेन की राजधानी लंदन में आयोजित एकता का जश्न कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान हिंदू पहचान और दर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक हिंदू केवल एक व्यक्ति मात्र नहीं होता, बल्कि वह परिवार, समुदाय, समाज और संपूर्ण मानवता का प्रतिनिधित्व करता है, जो उसके व्यापक दृष्टिकोण और जिम्मेदारियों को दर्शाता है। डॉ. भागवत ने आगे कहा कि हिंदू केवल प्रकृति की पूजा ही नहीं करता, बल्कि उससे अगाध प्रेम भी करता है और यही प्रेम, एकता, चरित्र निर्माण तथा संघ की कार्यप्रणाली की आधारशिला है। उन्होंने हिंदू चिंतन के मूल सिद्धांत को समझाते हुए कहा कि अस्तित्व एक ही है, भले ही वह विविध रूपों में दिखाई देता हो। उनके अनुसार, विविधताएं प्रकृति का स्वाभाविक हिस्सा हैं और उन्हें स्वीकार करना तथा उनका सम्मान करना ही हिंदू विचारधारा का मूल संदेश है।

सरसंघचालक ने जोर देकर कहा कि यदि संघ को एक ही सिद्धांत में परिभाषित करना हो, तो वह अपनापन है। उनके अनुसार, अपनापन सभी के प्रति शुद्ध और सात्विक प्रेम है, जो हिंदू का पारंपरिक स्वभाव है। उन्होंने विविधताओं को अस्तित्व की एकता के अलग-अलग श्रृंगार के रूप में देखने का आह्वान किया, जिसमें हर रूप में परमात्मा का वास है। भविष्य की पीढ़ी पर भरोसा जताते हुए डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि उन्हें नई पीढ़ी पर अधिक विश्वास है, क्योंकि उनमें दुनिया को बेहतर बनाने की प्रबल इच्छा है। उन्होंने युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश दिया कि उन्हें लक्ष्य दीजिए, तरीका मत बताइए, वे सार्वभौमिक नैतिकता और समृद्धि के लक्ष्य को तेजी से हासिल कर लेंगे। यह युवाओं की रचनात्मकता और क्षमता में उनके विश्वास को दर्शाता है। कार्यक्रम के दौरान, ब्रिटेन में रहने वाले हिंदुओं की निष्ठा पर पूछे गए एक संवेदनशील सवाल का जवाब देते हुए डॉ. भागवत ने स्पष्ट किया कि इसमें कोई टकराव नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कभी ऐसी स्थिति आती भी है, तो ब्रिटिश हिंदुओं की निष्ठा ब्रिटेन के साथ होगी। उन्होंने समझाया कि कर्मभूमि वही होती है जहां व्यक्ति की निष्ठा होती है और जहां वह अपना योगदान देता है, जबकि जन्मभूमि और पुण्यभूमि वे स्थान हैं जहां से उसे अपने संस्कार और मूल्य मिलते हैं। उन मूल्यों को अपनी कर्मभूमि की सेवा में उतारना ही हिंदुत्व का सच्चा संदेश है। यह संतुलन बनाने के महत्व को रेखांकित करता है।

सिंध का बंटवारा नहीं- पाकिस्तान सेना को पीपीपी की सीधी चुनौती

सिंध की जमीन के लिए मर जाने, को तैयार मंत्री

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में राजनीतिक उबाल है, जहां सिंध असेंबली ने सर्वसम्मति से उन सभी प्रस्तावों को खारिज किया है। जिसमें प्रांत को बांटने या कराची को सिंध से अलग कर नया प्रशासनिक यूनिट बनाने की बात कही गई थी। इस कड़े और सीधे रुख ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर और गृह मंत्री मोहसिन नकवी को खुली चुनौती दी है, जिन्हें इन बंटवारे योजनाओं का सूत्रधार बताया जा रहा है।

पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) शासित सिंध सरकार ने प्रांत की एकता पर किसी भी समझौते से इंकार किया है। मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने साफ कहा कि प्रांतीय अखंडता से समझौता नहीं होगा और ये प्रस्ताव ऊपर से थोपने की कोशिश है। असेंबली में खड़े होकर नेताओं ने सिंध की जमीन के लिए मर जाने, मंत्री पद छोड़ने और सड़कों पर उतर जाने जैसी बातें कही हैं। सिंध को बांटने की कोशिश पर कई नेताओं ने बलूचिस्तान जैसे हालात होने की गंभीर चेतावनी दी है, आशंका है कि इससे कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाएगी।

यह विरोध पाकिस्तान सरकार के उस बड़े प्रस्ताव के खिलाफ है, जिसमें देश के चार मौजूदा प्रांतों को 12 से 15 छोटे प्रशासनिक इकाइयों में बांटने की योजना है। गृह मंत्री नकवी, जो सेना प्रमुख मुनीर के करीबी माने जाते हैं, इस बंटवारे पर जोर दे रहे हैं, उनका तर्क है कि इससे शासन-प्रशासन में सुधार आएगा। हालांकि, पीपीपी सहित कई दल इस कदम से नाखुश हैं।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ जरदारी, जो पीपीपी के सह-अध्यक्ष भी हैं, इस मुद्दे पर अपनी नाराजगी के कारण लंदन में बताए जा रहे हैं, जहां नकवी ने उनसे मुलाकात भी की है। पीपीपी को गहरा राजनीतिक नुकसान होगा, खासकर सिंध क्षेत्र में उनकी पकड़ कमजोर होगी।

रुस से जंग में यूक्रेन झेल रहा आर्थिक संकट, अब पोर्नोग्राफी से टैक्स वसूलेगा!

-एडल्ट कंटेंट के पैसे से जंग में इस्तेमाल के लिए खरीद सकेगा 30 हजार ड्रोन

कीव। रूस-यूक्रेन के बीच जंग जारी रही है। रूस के खिलाफ चल रही जंग के लिए यूक्रेन पैसा जुटाने में लगा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन पोर्नोग्राफी को कानून बनाने पर विचार कर रहा है। यूक्रेन के सांसद यारोस्लाव झेलेजन्याक के सपोर्ट वाले एक बिल में कहा है कि देश के एडल्ट एंटरटेनमेंट कारोबार को कानूनी अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनाने से सरकार को टैक्स के रूप में 2.5 करोड़ डॉलर तक मिल सकते हैं। भारतीय करेंसी में यह रकम 237 करोड़ होती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संसद की वित्त समिति के अध्यक्ष ने कहा कि इस पैसे से जंग में इस्तेमाल के लिए 30 हजार तक ड्रोन खरीदे जा सकते हैं। यूक्रेन में फिलहाल एडल्ट कंटेंट बनाना और उसे दूसरों तक पहुंचाना गैरकानूनी है। इसके लिए साल साल तक की जेल की सजा हो सकती है। फिर भी भ्रष्ट पुलिस की मदद से एडल्ट कंटेंट इंडस्ट्री का विस्तार जारी है। यूक्रेन के अधिकारियों ने हाल ही में एडल्ट कंटेंट बनाने वालों से टैक्स लेना शुरू किया है लेकिन जो लोग सरकार को अपने इस काम के बारे में बताते हैं तो उन्हें अपराधी कहा जाता है क्योंकि ये यूक्रेन में अभी भी अपराध है। समिति के अध्यक्ष ने कहा कि एडल्ट कंटेंट बनाने वाली महिलाओं के पास दो रास्ते हैं। या तो वह टैक्स नहीं दें और आपराधिक केस का सामना करें। नहीं तो टैक्स दें और पोर्नोग्राफी कानून तोड़ने के आरोप में मुकदमा झेलें। यूक्रेन के कुछ लोगों ने सरकार को अपनी कमाई की जानकारी दी थी, जिसके बाद यूक्रेनी सरकार की तरफ से उन्हें चिट्ठियां मिली, जिसमें उन पर टैक्स चोरी करने के साथ गैरकानूनी तरीके से एडल्ट कंटेंट बनाने का आरोप लगाया गया।

होर्मुज पर जंग के बीच नया शिपिंग रूट तैयार करेगा ईरान

तेहरान। ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच तनाव लगातार गहराता जा रहा है, जिसने फारस की खाड़ी में समुद्री सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस गंभीर स्थिति के बीच, ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी मोहसेन रेजाई ने घोषणा की है कि तेहरान आने वाले दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक प्रतिबंधित क्षेत्र की घोषणा करेगा। इसके साथ ही, इस रणनीतिक जलमार्ग के लिए ओमान के साथ मिलकर एक नए शिपिंग रूट का भी ऐलान किया जाएगा। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब दोनों देशों के बीच समुद्री क्षेत्र में टकराव लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और क्षेत्रीय स्थिरता पर इसके संभावित प्रभावों को लेकर आशंकाएं बढ़ गई हैं।

ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर कालिबफ ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अब कोई नया हमला हुआ, तो उसका और भी अधिक गंभीर और दर्दनाक जवाब दिया जाएगा। यह चेतावनी अमेरिकी सेना द्वारा ईरान के तीन तेल टैंकरों को कथित तौर पर नष्ट किए जाने की घटना के एक दिन बाद आई है, जिसने दोनों देशों के बीच मौजूदा गतिरोध को और अधिक जटिल बना दिया है। अमेरिका और ईरान के बीच यह नौसैनिक और आर्थिक खिंचाव फारस की खाड़ी में सुरक्षा चिंताओं को लगातार बढ़ा रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री चोकपॉइंट्स में से एक है, जहां से दुनिया के एक बड़े हिस्से के तेल और गैस का निर्यात होता है। इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अशांति या सैन्य टकराव का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।

ईरान का यह कदम क्षेत्र में अपनी संप्रभुता और समुद्री हितों की रक्षा के लिए एक स्पष्ट संदेश है। प्रतिबंधित क्षेत्र की घोषणा और एक वैकल्पिक शिपिंग रूट की स्थापना का उद्देश्य क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति और संभावित नाकेबंदी के प्रभाव को कम करना हो सकता है। ईरान का यह भी मानना है कि वह अपने जलक्षेत्र में नेविगेशन के नियमों को निर्धारित करने का अधिकार रखता है। ओमान के साथ सहयोग इस क्षेत्र में अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के साथ मिलकर समुद्री सुरक्षा को नियंत्रित करने के ईरान के प्रयासों को दर्शाता है, जिससे फारस की खाड़ी में शक्ति संतुलन पर महत्वपूर्ण असर पड़ सकता है। यह नया घटनाक्रम क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि इससे दोनों पक्षों के बीच गलतफहमी या किसी आकस्मिक टकराव की संभावना बढ़ सकती है। अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों को भी इन घोषणाओं के बाद होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा को लेकर अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ सकता है।

बांग्लादेश में चिन्मय दास को जमानत मिली, पर रिहाई नहीं होगी

ढाका। बांग्लादेश हाई कोर्ट ने रविवार को जेल में बंद हिंदू अधिकार नेता चिन्मय कृष्ण दास को दो और मामलों में जमानत दे दी है, लेकिन यह कानूनी राहत भी उन्हें जेल से बाहर नहीं निकाल पाएगी। अन्य गंभीर मामलों में आरोपों का सामना कर रहे दास की तत्काल रिहाई की संभावना बहुत कम है। दास को पिछले महीने भी दो अन्य मामलों में जमानत मिली थी, जिनमें तोड़फोड़, हमला और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप शामिल थे, जो उनकी कानूनी लड़ाई की जटिलता को दर्शाते हैं।

चिन्मय दास को नवंबर 2024 में देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन पर राष्ट्रीय ध्वज का कथित रूप से अपमान करने का गंभीर आरोप लगा था, जिसके बाद देश में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन और सांप्रदायिक तनाव शुरू हो गया था। उनकी गिरफ्तारी के बाद उनके खिलाफ कई अन्य मामले भी दर्ज किए गए, जिनमें हत्या, हत्या के प्रयास और तोड़फोड़ जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं, जिससे उनके कानूनी शिकंजे में और भी कसावट आ गई थी। न्यायमूर्ति के.एम. जाहिद सरवर और न्यायमूर्ति शेख अबू ताहेर की पीठ ने रविवार को तोड़फोड़ और पुलिस के काम में बाधा डालने से जुड़े दो मामलों में उन्हें जमानत दी। उनके वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने बताया कि दास के खिलाफ कुल छह आपराधिक मामले दर्ज हैं और अब उन्हें इनमें से चार मामलों में उच्च न्यायालय से जमानत मिल चुकी है, जो उनकी कानूनी टीम के लिए एक आंशिक जीत है।

हालांकि, कानूनी विशेषज्ञों और संबंधित रिपोर्टों के अनुसार, उन पर चल रहे अन्य मामलों की वजह से उन्हें तुरंत रिहा नहीं किया जाएगा। सबसे बड़ी बाधा यह है कि देशद्रोह के मामले में उनकी जमानत पर रोक लगी हुई है, जिसका अर्थ है कि उस मामले में उन्हें अभी भी जमानत नहीं मिली है या उसे चुनौती दी गई है। इसके अतिरिक्त, एक हत्या के मामले की सुनवाई चटगांव के त्वरित सुनवाई न्यायाधिकरण में तेजी से चल रही है, जो उनके लिए एक और बड़ी चुनौती है।

पुर्तगाल में भारतीय रेस्तरां पर फायरिंग, अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद का नाम लेकर दी धमकी

-वीडियो में गैंगस्टर राहुल ने हमले की ली जिम्मेदारी, कहा-अगली बार नहीं बचेगा मालिक

लिस्बन। भारतीय मूल के गैंगस्टरों के खूनी खेल और वर्चस्व की जंग ने यूरोप तक हड़कंप मचा दिया है। पुर्तगाल के एक भारतीय रेस्तरां पर दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग की गई है। इस हमले के बाद सोशल मीडिया पर एक लाइव वीडियो जारी कर न सिर्फ हमले की जिम्मेदारी ली बल्कि रेस्तरां मालिक को मौत के घाट उतारने की धमकी भी दी। धमकी में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का नाम लेते हुए कहा कि 'अगला निशाना अब मालिक होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन और सिंट्रा के बीच स्थित मरसेस इलाके की बताई जा रही है। यहां भारतीय मूल के पम्मा नाम के शख्स की 'दिलबाग डोनर कबाब' नाम का रेस्तरां है। हमलावर अचानक रेस्तरां के सामने पहुंचा और उसको निशाना बनाते हुए गोलियां बरसा दीं। अचानक हुई गोलीबारी से इलाके में दहशत फैल गई। फायरिंग के बाद हमलावर मौके से फरार हो गया। वहीं, इलाके में भगदड़ मच गई। इस सनसनीखेज वारदात के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट और फायरिंग का लाइव वीडियो पोस्ट किया गया। इस पोस्ट में गैंगस्टर राहुल आरके मीणा ने हमले की जिम्मेदारी ली। पोस्ट में खुलेआम चुनौती देते हुए लिखा कि इस बार सिर्फ रेस्तरां पर गोलियां चलाई हैं। अगली बार निशाना सीधे रेस्तरां मालिक होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक गैंगस्टर ने दहशत फैलाने के लिए अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के नाम का भी इस्तेमाल किया। वायरल पोस्ट में बेहद आक्रामक अंदाज में धमकी दी गई है कि अगर इस गैंग ने किसी को अपने निशाने पर ले लिया, तो उसे दाऊद भाई भी नहीं बचा पाएंगे। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट में अमन साहू गैंग, सुनील मीणा गैंग और त्रिशूल गैंग समेत कई अन्य नामों का जिक्र भी किया गया है।

विदेशी पत्रकारों को प्रेस मान्यता करनी होगी हासिल, वैध प्रेस पहचान पत्र रखना होगा साथ

- नेपाल में अब बाढ़ प्रभावित इलाकों की रिपोर्टिंग करने पत्रकारों के लिए प्रोटोकॉल जारी

काठमांडू। नेपाल में 26 अगस्त को आई बाढ़ से प्रभावित इलाकों का दौरा करने वाले पत्रकारों के लिए मीडिया सुरक्षा और संचालन संबंधी प्रोटोकॉल जारी किया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से रिपोर्टिंग करने के इच्छुक विदेशी पत्रकारों को प्रेस मान्यता हासिल करनी होगी। एनडीआरआरएमए ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने वाले पत्रकारों के लिए नेपाल के सूचना एवं संचार मंत्रालय की ओर से जारी मीडिया सुरक्षा और संचालन प्रोटोकॉल को सार्वजनिक किया है।

इस आपदा में 1,300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 5000 लोग अभी भी लापता हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तत्काल प्रभाव से लागू किए इस प्रोटोकॉल के तहत पत्रकारों को वैध प्रेस पहचान पत्र साथ रखना होगा।

उन्हें सुरक्षा एवं बचावकर्मियों द्वारा जारी निर्देशों का पालन करना होगा, तय मार्गों और आवाजाही पर लगाए गए प्रतिबंधों का पालन करना होगा और जरूरत पड़ने पर प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षित स्थानों पर जाने के आदेशों का पालन करना होगा। इसके अलावा, नेपाल के सूचना एवं प्रसारण विभाग ने एक नोटिस जारी किया है। इसके तहत भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों के किनारे बाढ़ प्रभावित इलाकों से खबरें जुटाने के इच्छुक विदेशी मीडिया के पत्रकारों को विभाग की ऑनलाइन सेवा के जरिए प्रेस मान्यता और पत्रकार पहचान पत्र के लिए आवेदन करना होगा।

यह नोटिस 3 सितंबर को जारी किया गया था। विदेशी पत्रकारों को वैध वीजा या प्रवेश परमिट के साथ अपने पासपोर्ट की एक प्रति विभाग के नाम वाली अपने मीडिया संगठन की सिफारिश और अपने देश के दूतावास, वाणिज्य दूतावास या विदेश मंत्रालय का सिफारिश पत्र जमा करना होगी। विभाग ने बताया कि प्रेस मान्यता और पत्रकार पहचान पत्र 15 दिनों के लिए वैध होगा।

रंगसंसार

प्रियंका चोपड़ा ने पुरानी यादें ताजा की

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनास ने अपने पति निक जोनास और उनके भाइयों जो और केविन के नए गाने च्लिसन व्हेन सैंडज् की रिलीज पर अपनी पुरानी यादें ताजा की हैं। उन्होंने उस खास गर्मी के दिनों को याद किया जब उन्होंने 2017 में निक को अपना नंबर दिया था। प्रियंका ने निक के साथ उनके सफर के खुशनुमा पलों, जिसमें साथ बिताए शुरुआती दिन, यात्राएं और परिवार की यादें शामिल थीं, का एक वीडियो साझा किया। उन्होंने पोस्ट का कैप्शन लिखा, ओह हां! मुझे याद है, वो गर्मी, जब मैंने तुम्हें अपना नंबर दिया था। समय-गर्मी 2017. यह गाना पुरानी यादों और युवा प्यार के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसमें एक लड़की द्वारा किसी को अपना नंबर देने का जिक्र भी है। प्रियंका के कलेक्शन में गोवा में परिवार के साथ छुट्टियों की एक तस्वीर भी शामिल थी, जिसमें उनकी कजिन और एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा, भाई सिद्धार्थ चोपड़ा और परिवार के अन्य सदस्य साथ पोज देते हुए दिख रहे थे। प्रियंका और निक की लव स्टोरी की बात करें तो, उनकी पहली आमने-सामने की मुलाकात फरवरी 2017 में वैनिटी फेयर ऑस्कर आफ्टर-पार्टी में हुई थी, लेकिन निक ने शायद उससे कई महीने पहले ही पहल कर दी थी।

असीम रियाज़ का पलटवार

अभिनेता असीम रियाज़ ने टेलीविजन एक्ट्रेस रुबीना दिलैक और हिना खान को उनके हालिया पॉडकास्ट पर दिए गए बयानों के लिए तीखा जवाब दिया है। रुबीना और हिना ने अपने पॉडकास्ट शो में असीम के बिग बॉस जैसे रियलिटी शो में टीआरपी लाने के दावों को न्यूसेंस वैल्यू (परेशानी पैदा करने वाला) कहा था, जिस पर असीम ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। असीम ने ट्विटर पर एक पोस्ट साझा करते हुए इन टेलीविजन हस्तियों को टीवी इंडस्ट्री की आंटियां और अंकल संबोधित किया। उन्होंने लिखा, मैंने एक पॉडकास्ट का क्लिप देखा जिसमें टीवी इंडस्ट्री की ये आंटी और अंकल बात कर रहे थे कि मैं जिस भी रियलिटी शो में जाता हूं, उसमें टीआरपी लाता हूं। तो जवाब है हां, मैं लाता हूं। उन्होंने आगे कहा, आपके करियर के लिए शुभकामनाएं और इंडस्ट्री में अपने रोल निभाते रहिए और कठपुतली बने रहिए। दरअसल, रुबीना और उनके पति अभिनव शुक्ला ने अपने पॉडकास्ट के एक एपिसोड में हिना खान और रॉकी जायसवाल के साथ पब्लिसिटी कल्चर, विवादों और रियलिटी शो को लोकप्रिय बनाने में कंटेस्टेंट्स की भूमिका पर चर्चा की थी। इसी बातचीत के दौरान, उन्होंने असीम के उन दावों पर भी चर्चा की थी कि उनकी मौजूदगी से शो लोकप्रिय हुए।

मुजम्मिल इब्राहिम का बॉलीवुड मंत्र

अभिनेता और मॉडल मुजम्मिल इब्राहिम ने बॉलीवुड में अपने सफर पर बात करते हुए इंडस्ट्री में टिके रहने का असली मंत्र बताया है। उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपने अनुभवों पर बात की, जिसमें उनकी पहली फिल्म च्धोखाज् से लेकर हालिया फिल्म च्मॉन्स्टरज् तक का सफर शामिल है। हाल ही में अपने एक खास इंटरव्यू में, एक्टर ने अपने करियर के दौरान सीखी गई बातों के बारे में बताया और एक्टिंग में करियर बनाने वालों के लिए लगातार काम करते रहने (कंसिस्टेंसी) की अहमियत पर जोर दिया। अपने सफर को याद करते हुए मुजम्मिल ने कहा कि बार-बार पीछे मुड़कर देखने का कोई फायदा नहीं है क्योंकि एक एक्टर का करियर एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है जिसकी कोई तय मंजिल नहीं होती। उन्होंने कहा, आप इससे बहुत कुछ सीखते हैं। आपको ऐसे काम करने का मौका मिलता है जो आप नहीं करना चाहते थे और आपको उन्हें दोबारा करने का मौका भी मिलता है। आपको मेहनत करनी होगी, चाहे वह कोई भी माध्यम हो, या थिएटर ही क्यों न हो। आपको लगातार काम करते रहना होगा, जो एक एक्टर के तौर पर बहुत जरूरी है।

रुबीना-हिना खान ने असीम रियाज के व्यवहार पर उठाए सवाल

। हाल ही में एक पॉडकास्ट में रुबीना दिलैक और हिना खान ने असीम रियाज के व्यवहार और रियलिटी शोज की सफलता में उनके योगदान से जुड़े दावों पर टिप्पणी की थी। इस पर पलटवार करते हुए असीम ने टीवी इंडस्ट्री के सितारों को कठपुतली बनकर अपने किरदार निभाते रहने की सलाह दी। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किए गए असीम रियाज के इस बयान के बाद विवाद और गहरा गया है। दरअसल, रुबीना दिलैक और उनके पति अभिनव शुक्ला च्द4पीओवीज् नाम से पॉडकास्ट की मेजबानी करते हैं। हाल ही में इसके एक एपिसोड में हिना खान और उनके पति रॉकी जयसवाल मेहमान के तौर पर शामिल हुए थे।

बातचीत के दौरान पब्लिसिटी, विवाद और रियलिटी शोज की लोकप्रियता में प्रतिभागियों की भूमिका पर चर्चा हुई। इसी दौरान असीम रियाज के उन दावों का भी जिक्र हुआ, जिनमें उन्होंने रियलिटी शोज की सफलता और टीआरपी में अपनी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया था। एक इंटरव्यू का हवाला देते हुए हिना खान ने कहा कि असीम ऐसा प्रदर्शित कर रहे थे, जैसे उनकी वजह से ही च्बिग बॉसज्, च्खतरों के खिलाड़ीज् और च्बैटलग्राउंडज् जैसे कार्यक्रमों को लोकप्रियता मिली हो। वहीं रुबीना ने असीम के साथ च्बैटलग्राउंडज् और च्खतरों के खिलाड़ीज् में अपने अनुभव साझा करते हुए उनके व्यवहार पर सवाल उठाए। रुबीना ने आरोप लगाया कि च्बैटलग्राउंडज् की शूटिंग के दौरान असीम क्रू और क्रिएटिव टीम के सदस्यों के साथ कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने यह भी कहा कि असीम को इस बात का घमंड है कि उन्हीं की वजह से शो सफल होते हैं और टीआरपी हासिल करते हैं। रुबीना ने उन्हें शो के लिए परेशानी का सबब बताते हुए उनके मौजूदा करियर पर भी सवाल उठाया। इन टिप्पणियों के बाद असीम ने एक्स पर एक नोट साझा करते हुए लिखा कि उन्होंने पॉडकास्ट की एक क्लिप देखी, जिसमें टीवी इंडस्ट्री के लोग इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि वह हर रियलिटी शो में टीआरपी लाते हैं। इसके बाद उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह टीआरपी लाते हैं और संबंधित सितारों को अपने करियर के लिए शुभकामनाएं देते हुए इंडस्ट्री में कठपुतली बनकर अपने रोल निभाते रहने की सलाह दी। असीम रियाज च्बिग बॉस 13ज् में अपनी मजबूत मौजूदगी और बेबाक अंदाज के कारण चर्चा में आए थे।

मेरा उद्देश्य जौहर करने वाली महिलाओं को कायर कहना नहीं था- स्वरा भास्कर

हाल ही में च्पद्मावतज् के जौहर दृश्य पर बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर की टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें आलोचना और ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब स्वरा का कोई बयान चर्चा का विषय बना हो। बीते दिनों दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित च्महिला, जीवन स्वतंत्रताज् कार्यक्रम में स्वरा ने च्पद्मावतज् के जौहर दृश्य पर अपनी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे दृश्य बलात्कार से बचे लोगों के लिए गलत संदेश दे सकते हैं। स्वरा का कहना था कि किसी महिला की जिंदगी को उसकी इज्जत से जोड़ना और जौहर को उसके सम्मान की रक्षा के रूप में प्रस्तुत करना समस्यापूर्ण हो सकता है। उनके बयान के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं आईं। इसके बाद अभिनेत्री ने वीडियो जारी कर कहा कि उनकी बात को संदर्भ से अलग करके पेश किया गया और उनका उद्देश्य जौहर करने वाली महिलाओं को कायर कहना नहीं था।

फरवरी 2022 में कर्नाटक के उडुपी में हिजाब विवाद के बीच भी स्वरा का बयान सुर्खियों में आया था। उन्होंने इस मामले की तुलना महाभारत की सभा में द्रौपदी के चीरहरण के प्रसंग से की थी। स्वरा ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि जिस तरह महाभारत में शक्तिशाली और जिम्मेदार लोग देखते रहे, उसी तरह आज के हालात ने उन्हें उस घटना की याद दिलाई। इस टिप्पणी पर भी उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा था। नवंबर 2022 में गोवा में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दौरान इजरायली फिल्मकार नादव लैपिड ने च्द कश्मीर फाइल्सज् को च्प्रोपेगेंडाज् फिल्म बताया था।

स्वरा ने उनके बयान का समर्थन करते हुए सोशल मीडिया पर टिप्पणी की। बाद में उन्होंने बिना नाम लिए ऐसी सफलता पर सवाल उठाया, जिसे उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में लोगों के खिलाफ कथित एजेंडा चलाने से जोड़ा। उनकी इस टिप्पणी को फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री और अभिनेता अनुपम खेर पर निशाना माना गया। वर्ष 2018 में भारतीय सेना को लेकर स्वरा की एक सोशल मीडिया टिप्पणी ने भी विवाद खड़ा किया था। उनके शब्दों को लेकर कई लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई और अभिनेत्री से माफी मांगने की मांग की थी। मालूम हो कि भारतीय सिनेमा में स्वरा भास्कर अपनी फिल्मों के साथ-साथ बेबाक राय रखने के लिए भी जानी जाती हैं।

दैनिक पंचांग

8 सितम्बर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

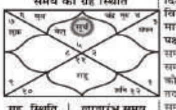

ग्रह	स्थिति
सूर्य	सिंह में
चंद्र	कर्क में
मंगल	मिथुन में
बुध	कन्या में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	06.26 बजे से
तुला	08.37 बजे से
वृश्चिक	10.52 ब.से
धनु	13.08 बजे से
मकर	15.13 बजे से
कुंभ	16.59 बजे से
मीन	18.32 बजे से
मेष	20.03 बजे से
वृष	21.43 बजे से
मिथुन	23.41 बजे से
कर्क	01.55 बजे से
सिंह	04.11 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 251 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 14.44 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पुष्य 16.40 बजे को समाप्त। **योग** परिघ 00.41 बजे रात्र को समाप्त। **करण** तैतिल 14.44 बजे तदनन्तर गर 01.36 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 05° 46' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872826 **जूलियन दिन** 2461291.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रबि उलावल **तारीख** 25 **विशेष** गोवत्स द्वादशी, प्रदोष व्रत, पर्युषण प्रारंभ, विश्व साक्षरता दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभाथ श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

जैस्मिन का दिल छू लेने वाला नोट

हाल ही में एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर से मिलने पहुंचीं, और इस मुलाकात के बाद उन्होंने एक दिल छू लेने वाला नोट साझा किया है। जैस्मिन ने बताया कि यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब वह कई तरह के विचारों और भावनाओं से जूझ रही थीं, जिन्हें उन्होंने किसी के साथ शेयर नहीं किया था। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर, जैस्मिन ने श्री श्री रवि शंकर के साथ अपनी मुलाकात की एक झलक साझा की और बताया कि कैसे उनकी बातों और मौजूदगी ने उन्हें स्पष्टता का एहसास कराया। उन्होंने लिखा, जिंदगी में कुछ मुलाकातें ऐसी लगती हैं जैसे वे तब से तय थीं जब हमें पता भी नहीं था कि हमें उनकी जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, मेरे मन में द्वंद्व थे, दिल में तूफान थे और आत्मा में ऐसे सवाल थे जिन्हें मैंने किसी के साथ शेयर नहीं किया था। और फिर भी, जब मैं आपके सामने बैठी, तो मुझे कुछ भी समझाने की जरूरत महसूस नहीं हुई। ऐसा लगा जैसे आप पहले से ही सब जानते थे। जैस्मिन ने महसूस किया कि बिना ज्यादा कुछ कहे, गुरुदेव की बातें, मौजूदगी और मार्गदर्शन उनके अंदर उन जगहों तक पहुँच गया जिन्हें वह शब्दों में बयां भी नहीं कर सकती थीं।

विधानसभा चुनाव और बसपा

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव कुछ ही महीना में होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश में एक समय बसपा की सरकार थी। 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगना शुरू हो गया है। पिछले कई महीनों से जिस तरह से बसपा सुप्रीमो मायावती नए-नए आरोपों में घिरती चली जा रही हैं। उसके कारण उनकी मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं। एक बार फिर अपने भतीजे ईशान आनंद को लेकर चर्चाओं में आ गई हैं। जिस तरह की स्थिति बनी हुई है। उसको देखते हुए लोग कहने लगे हैं। बसपा के पैरों से जमीन खिसकती जा रही है। सांसद चंद्रशेखर, समाजवादी पार्टी के साथ-साथ अब कांग्रेस भी बसपा के वोट बैंक में सेंध लगा रही है। उसके बाद भी मायावती जिस तरह से प्रतिक्रिया दे रही हैं। लोग यह मानकर चल रहे हैं,हो सकता है 2027 का विधानसभा चुनाव बसपा जीतने के लिए ना लड़े। हां किसी को जिताने की सुपारी जरूर बन सकती हैं।

उत्तराखंड के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पर मुकदमा

लग रहा है, भाजपा की साढ़े साती शुरू हो गई है। शनि महाराज न्याय के देवता हैं। इस बार शनि महाराज ने मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा के बाद जो शुद्धिकरण कराया गया था।

राजनीति का नया रंगमंच

दिल्ली में इन दिनों खूब चर्चा हो रही है राजनीतिक पंडितों के बीच भारतीय जनता पार्टी की नई रणनीति को लेकर। कहा जा रहा है कि जंतर मंतर पर काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के बाद पार्टी के आला नेताओं को एहसास होने लगा है कि अहंकार को त्याग कर उनको विनम्रता लानी होगी अपने तौर-तरीकों में। रणनीति के बदले जाने का पहला उदाहरण तब देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री ने अपनी बातें कहनी शुरू की इंस्टाग्राम पर अपनी सेल्फी रीलें डाल कर। पिछले सप्ताह वाली रील में मोदी दिखे यह कहते हुए कि आर्थिक वृद्धि अब 7.8 फीसद पर है और इस बात से पूरा देश खुशी से झूम रहा है।

उन्होंने इस बात का श्रेय खुद नहीं लिया, जैसे अक्सर लेते हैं, तो लोगों को इसमें विनम्रता के आसार दिखे। प्रधानमंत्री की समस्या यह है कि उन्होंने पूरे एक दशक से अपने आपको एक ऐसे राजनेता के रूप में पेश किया है जिसको अंग्रेजी में 'स्ट्रांगमैन' कहते हैं और हिंदी में 'बाहुबली'। इस छवि को कायम रखने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने सोशल मीडिया पर अपनी ट्रोल सेना का इस्तेमाल किया है अभी तक। अब लगता है कि इन कागजी योद्धाओं को पीछे हटा कर प्रधानमंत्री और उनके मंत्री खुद सामने रहेंगे। इस नई रणनीति के तहत इंस्टाग्राम पर मोदी दिखे हैं कई बार रीलों के जरिए आम लोगों से बातें करते हुए। इंस्टाग्राम को चुना गया है, क्योंकि माना जाता है कि जेन-जी के लिए यही सबसे बड़ा मीडिया है।

इंस्टाग्राम पर दिख तो रहे हैं प्रधानमंत्री और अपनी रीलों में थोड़े विनम्र तरीके से पेश आने की कोशिश भी कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या इतना काफी है देश की इस नई पीढ़ी के क्रांतिकारी युवाओं के दिलों को छूने के लिए? इस सवाल का जवाब है कि अभी तक ऐसा होता नहीं दिख रहा है। मोदी की हर रील को तोड़-मरोड़ कर उनका मजाक बनाया जा रहा है। जैसे जंतर-मंतर पर किया गया था और जिनमें मोदी की अंग्रेजी और उनकी विदेशी यात्राओं का खूब मजाक उड़ाया गया था। कहने का मतलब है मेरा कि देश के युवाओं पर अभी तक इंकलाब का असर इस कदर है कि ये प्रधानमंत्री की बातें सुनने को तैयार नहीं हैं। ऊपर से ये ऐसे हैं कि किसी से नहीं डरते हैं। जो डरते थे, उनका भी डर दूर हो गया जंतर मंतर के बाद।

हर क्रांति में कोई मुद्दा या कोई व्यक्ति केंद्रित होता है और इस क्रांति में लगता है मुद्दे तो हैं ही, लेकिन साथ में निशाने पर रहे हैं मोदी खुद। जब उनकी मीडिया टीम ने इसको देखा, तो पहली सलाह शायद उनकी थी प्रधानमंत्री को कि अपनी बाहुबली वाली छवि न बदलें, इसलिए इंस्टाग्राम पर अपनी पहली रील में उन्होंने कहा था कि वे उन बच्चियों को माफ करते हैं, जिन्होंने उनको और उनकी दिवंगत माताजी को गालियां दी थीं। इस रील के फौरन बाद आवाजें उठने लगीं कि माफी तो मोदी को मांगनी चाहिए उन विद्यार्थियों से जिन पर पैलेट गन चलाई गई थी।

इसके बाद मोदी ने अपना अंदाज बदला और भारतीय जनता पार्टी ने अपनी टीम बदली। नई टीम में स्मृति ईरानी और राम माधव हैं जो हैं तो पचास से ऊपर, लेकिन कम से कम पार्टी के आला नेताओं से उनकी उम्र काफी कम है। सवाल यह है कि नई टीम क्या अपनी बातों में बदलाव ला पाएगी या नहीं! फिलहाल ऐसा नहीं दिख रहा है। नई टीम वही कर रही है जो पुरानी टीम ने किया था। यानी मोदी की खूब चापलूसी करने के बाद ही किसी मुद्दे के बारे में कुछ कहना।

इसलिए ऐसा लगने लगा है कि अभी कुछ खास नहीं बदला है। न मोदी बदले हैं, न उनकी मीडिया नीति और न ही उनकी क्षमता युवाओं की बातें सुनने की। बदलाव का सिर्फ नाटक हो रहा है जो साफ दिखता है। मोदी अगर वास्तव में देश के युवाओं के साथ जुड़ना चाहते हैं, तो नाटकीय परिवर्तन से काम नहीं चलने वाला है इसलिए कि ये पढ़े-लिखे बच्चे हैं जो बाहुबलियों से डरने के बदले उनका मजाक उड़ाते हैं। कुछ राजनेता इस बात को समझ गए हैं और मानते हैं कि हम जो देख रहे हैं वह पूरी तरह एक क्रांति है, जो देश की राजनीति को बदल कर रखेगी। यहां याद रखना चाहिए कि अगले लोकसभा चुनाव में युवाओं का वोट सबसे ज्यादा असरदार होने वाला है।

> ऐसा लगने लगा है कि अभी कुछ खास नहीं बदला है। न मोदी बदले हैं, न उनकी मीडिया नीति और न ही उनकी क्षमता युवाओं की बातें सुनने की। बदलाव का सिर्फ नाटक हो रहा है जो साफ दिखता है। मोदी अगर वास्तव में देश के युवाओं के साथ जुड़ना चाहते हैं, तो नाटकीय परिवर्तन से काम नहीं चलने वाला है इसलिए कि ये पढ़े-लिखे बच्चे हैं जो बाहुबलियों से डरने के बदले उनका मजाक उड़ाते हैं।

इस नई पीढ़ी तक पहुंचने के लिए टीम बदलने से काम नहीं चलेगा। इन तक पहुंचने के लिए विनम्रता के साथ ईमानदारी भी बहुत जरूरी है, इसलिए जब प्रधानमंत्री 7.8 फीसद आर्थिक वृद्धि पर कहते हैं कि देश के लोग खुशी से झूम रहे हैं, तो याद आती है उस 'इंडिया शाइनिंग' वाले चुनाव की, जिसने 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी को सत्ता से हटा कर कांग्रेस को मौका दिया था। उस समय दिल्ली के सारे राजनीतिक पंडित मान ही नहीं सकते थे कि अटल बिहारी वाजपेई को सोनिया गांधी हरा सकेंगी। इनमें मैं भी थी और मुंह की खानी पड़ी थी हम सबको। इसके बाद मैंने किसी भी चुनाव में भविष्यवाणी करना छोड़ दिया, लेकिन अब इतना कहना चाहती हूं कि देश की राजनीति इतनी बदल चुकी है जंतर मंतर के बाद कि पुराने तरीके और पुराने विचारों से काम नहीं चलने वाला है।

हिंदी फिल्मों की भाषा में इस बात को कहा जाए, तो कहना इस तरह होगा- नए लोग हैं, नहीं पीढ़ी और नया दौर। इस नए दौर में उभर कर आ रहे हैं नए किस्म के राजनेता, जिनकी छाया अभी तक हमने नहीं देखी है राष्ट्रीय राजनीतिक रंगमंच पर। इनको समझना जरूरी है।

शिक्षा की सार्थकता

भारत की बौद्धिकता में नैमिषारण्य का क्या महत्व है? इसका उत्तर कम से कम उनके पास तो नहीं होगा, जो पाठ्यक्रमों के रास्ते शिक्षित या विद्वान बने हैं। साधु-संतों और कुछ सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों में संलग्न लोग जरूर इसका महत्त्व समझा देंगे। यहां बारह वर्षों तक बौद्धिक मंथन हुआ था, जिसमें अठासी हजार विद्वान एकत्रित हुए थे। सभ्यता के इतिहास में यह एक विशिष्ट, मगर अपवादस्वरूप घटना है। तब वहां के कुलपति ऋषि शौनक थे। यहां भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों के लगभग सभी महत्त्वपूर्ण पक्षों पर सत्संग, शास्त्रार्थ और विवेचना हुई। इसके बारे में अनभिज्ञता का कारण क्या है? बौद्धिक इतिहास की आधुनिकता का प्रतिकूल समझने की हीन ग्रंथि हमारे मन-मस्तिष्क में डाल दी गई है।

प्राचीन भारत जीवन दर्शन का महासागर है। इसमें विचारों की विपुलता और भिन्नता दोनों हैं। वशिष्ठ, भारद्वाज, वेदव्यास, शौनक, शुक्राचार्य, बृहस्पति, धौम्य, कपिल, वामदेव और शंकराचार्य जैसे कुछ नाम हैं, जिनके ज्ञान, चेतना और साधना में विविधता थी और उसकी थाह पाना भी किसी के लिए दुष्कर है। कपिल का सांख्य दर्शन, वामदेव का नाट्यशास्त्र या शंकराचार्य का अद्वैतवाद, इन सभी का उपयोग पश्चिम ने अपनी बौद्धिकता को संबल देने के लिए किया है। इन दर्शनों का प्रत्येक नाम एक विशिष्ट ज्ञान की धारा की उपज है। इसका इतिहास तो रुचिकर है, मगर शिक्षा के आधुनिक स्वरूप ने हमारी रुचि को समाप्त कर दिया है। ये सभी शिक्षक थे। वैसे शिक्षक दो प्रकार के होते हैं- पहला वर्ग व्यावसायिक शिक्षकों का है। वे व्यावसायिक सफलता की राह दिखाते हैं। दूसरा वर्ग ऐसा है, जो अपनी साधना, ज्ञान और चेतना से स्वयं एक सनातन संस्था बन जाते हैं। ऐसे सनातन शिक्षक जीवन काल के बाद भी राह दिखाते रहते हैं। इसी वर्ग की खोज, उन्हें प्रोत्साहन देना और उनके महत्त्व को समझना शिक्षा नीति के निर्माताओं के लिए आवश्यक है।

सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन पर पांच सितंबर को प्रत्येक वर्ष शिक्षक दिवस मनाया जाता है। मगर यह दिन उनके राष्ट्रपति होने के कारण महत्त्व का नहीं बना। उनके शिक्षक होने की गुणवत्ता ही इसका कारण है। वे मैसूर विश्वविद्यालय के महाराजा कालेज में दर्शन शास्त्र के शिक्षक थे। उनका ज्ञान और साधना विद्यार्थियों को स्वस्थ मन, व्यापक दृष्टि और अर्ध-संत स्वभाव बनाने की जीवंत राह है। उनकी नियुक्ति जब कलकत्ता विश्वविद्यालय में हुई और उन्होंने विदाई लेने से इनकार कर दिया, तब उन्हें घोड़ा गाड़ी से रेलवे स्टेशन ले जाना तय हुआ। मगर विद्यार्थियों ने घोड़ा हटा दिया और वे स्वयं बग्गी खींचते हुए उन्हें स्टेशन ले गए। स्टेशन फूलों से सजा था, हजारों लोग नम आंखों से उन्हें विदाई दे रहे थे। यही गुरुकुल भाव है, जो राधाकृष्णन ने पैदा किया। इसी ने एक सामान्य शिक्षक की उपाधि को गणतंत्र के सर्वोच्च पद की तुलना में छोटा नहीं पड़ने दिया। इसी भावना ने चाणक्य को सार्वजनिक जीवन में रहने वालों के लिए एक नैतिक मानदंड बना दिया। 'अमात्य' (मंत्री) के रूप में वे 'राजा' (चंद्रगुप्त) के सामने लघुता के उदाहरण नहीं बने।

शिक्षा सरकारी हो या निजी, यह बहस का विषय रही है। मगर शिक्षा की सार्थकता नीयत पर निर्भर है। विश्वभारती (शांतिनिकेतन) तो सरकारी नहीं था, लेकिन उसका योगदान अविस्मरणीय है। मगर पहले की तुलना में आज यह पासंग भी नहीं है। बड़ौदा में गंगानाथ विद्यालय तो सरकारी था। इसके प्राचार्य सार्जेंट राव देशपांडे थे। उन्होंने शिक्षण संस्था को परिवार के रूप में ढालने का काम किया। प्रत्येक शिक्षक का स्वभाव, संगत और समझ के अनुसार नया नामकरण सहजता से किया गया। कालेलकर 'काका साहेब', तो फड़के 'मामा' हरिहर शर्मा 'अन्ना' के नाम से विख्यात हुए। उस संस्था से हटने के बाद भी यह भावनात्मक संबंध जारी रहा और वे मामा, काका, अन्ना बने रहे। शिक्षा सार्थकता पैदा करती है, तभी समाज दो कदम आगे बढ़ता है। व्यावसायिक सफलता समाज की मानसिक उन्नति को सुनिश्चित नहीं करती है। आज उच्च शिक्षा प्राप्त लोग विश्वविद्यालय परिसर में अपनी जातियों, समुदाय एवं क्षेत्र में अपनी अस्मिता तलाशते हैं। ऐसे लोगों के लिए यह उदाहरण एक आईना होगा।

आचार्य जेबी कृपलानी सिंधी थे और बिहार के लंगट सिंह कालेज में सफल प्राध्यापक रहे। अंग्रेजों ने उन पर जुल्म किए। वे शांतिनिकेतन गए, फिर गुजरात विद्यापीठ के एक महाविद्यालय के प्राचार्य बने। काका कालेलकर जन्म से मराठी थे, पर गुजराती साहित्य सभा के अध्यक्ष भी रहे। दरअसल, भवनों, सुविधाओं और विलासी वातावरण की शिक्षा से समाजपरक, समानतामूलक और संवेदनशीलता नहीं आती है। सभ्यताएं भवनों या विलासी सुविधाओं में प्राप्त शिक्षा से नहीं बनी हैं और न ही बनेंगी। उसी के प्रायः सभी शिकार हैं। जो समाज अपने मूल्यों को लेकर चिंतित नहीं रहता, उसका खोखलापन बढ़ता जाता है।

> प्राचीन भारत जीवन दर्शन का महासागर है। इसमें विचारों की विपुलता और भिन्नता दोनों हैं। इसका इतिहास तो रुचिकर है, मगर शिक्षा के आधुनिक स्वरूप ने हमारी रुचि को समाप्त कर दिया है। वैसे शिक्षक दो प्रकार के होते हैं- पहला वर्ग व्यावसायिक शिक्षकों का है, जो व्यावसायिक सफलता की राह दिखाते हैं। दूसरे वर्ग वाले अपनी साधना, ज्ञान और चेतना से स्वयं एक सनातन संस्था बन जाते हैं। ऐसे सनातन शिक्षक जीवन काल के बाद भी राह दिखाते रहते हैं।

यह सत्य है कि हमारा भूतकाल चाहे वह कितना भी स्वर्णिम रहा हो, उसमें वापस नहीं लौट सकते हैं और न ही विश्व के विज्ञान, तकनीक और धन केंद्रित वस्तुनिष्ठ परिस्थितियों को एकाएक बदल सकते हैं। मगर तीन पहलुओं से वर्तमान शिक्षा की सार्थकता के सूचकांक को समझा जा सकता है। पहला यह कि मानवीय संबंधों और सामुदायिक जीवन को यह कितना प्रगाढ़ कर पा रही है? दूसरा, नव उदारवाद द्वारा विषमता को स्वाभाविक मानने की थोपी जा रही प्रवृत्ति के प्रतिकूल यह समानतामूलक स्वभाव को कितना विकसित कर पा रही है? तीसरा, यह सामाजिक संघर्षों के समाधान की कितनी शक्ति उपार्जित कर पा रही है? यह सब न्यूयार्क, पेरिस, लंदन या मेलबर्न जाकर शिक्षा को समझने से संभव नहीं होगा। यह तो नवद्वीप, नालंदा, नैमिषारण्य और नेतरहाट को वर्तमान संदर्भ में पुनर्जीवित करके ही संभव है। इसका आधार और परिणाम दोनों ही आलोचनात्मक चिंतन है। वही हमारी सभ्यता की मौलिकता अर्जित करने का एकमात्र रास्ता हो सकता है।

अगले पांच साल तक रियल मैड्रिड से खेलेंगे स्ट्राइकर कार्लोस एस्पी

मैड्रिड। स्पेन के शीर्ष फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड ने लेवांते के युवा स्ट्राइकर कार्लोस एस्पी को अपने साथ जोड़ा है। रियल मैड्रिड ने एस्पी को करीब 25 मिलियन यूरो की मोटी रकम देकर खरीदा है। ऐसे में अब अगल सत्र से कार्लोस रियल की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। रियल ने कहा कि कि कार्लोस अगले पांच साल तक उसके पास ही रहेंगे। इसके तहत ये फुटबॉलर जून, 2031 तक रियल की ओर से खेलेगा।गौरतलब है कि रियल मैड्रिड में आने से पहले कार्लोस ने लेवांते की ओर से तीन सत्र खेले हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 66 मैचों में 20 गोल दागे हैं।

अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अल्काराज , टॉमी पॉल को हराया

न्यूयॉर्क। स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज जीत के साथ ही अमेरिकी ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। अल्काराज ने यहां हुए एक मुकाबले के पुरुष एकल में अमेरिका के टॉमी पॉल को सीधे सेटों में 6-4, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। करीब चार महीने के ब्रेक के बाद वापसी कर रहे अल्काराज ने टूर्नामेंट में अब तक शानदार खेल दिखाया है। वह अपने चार मुकाबलों में केवल एक सेट हारे हैं जिससे उनके अच्छे फॉर्म का अंदाजा होता है। इस जीत के साथ ही अल्काराज ने टॉमी पॉल के खिलाफ अपने एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड को 7-2 तक पहुंचा दिया है।

रिंकू की मेरठ मावरिक्स ने यूपी टी20 लीग खिताब जीता

नई दिल्ली। रिंकू सिंह की कप्तानी वाली मेरठ मावरिक्स ने भुवनेश्वर कुमार की लखनऊ फाल्कंस को 94 रनों से हराकर यूपी टी20 लीग का खिताब जीता है।इस रोमांचक मुकाबले में मेरठ मावरिक्स के कप्तान रिंकू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी शुरु की। उनका यह फैसला सही साबित हुआ। पारी की शुरुआत करने उतरे स्वास्तिक चिकारा और दिव्यांश जोशी ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाय। । दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए तेजी से 53 रनों की साझेदारी कर टीम को एक अच्छा आधार दिया। स्वास्तिक चिकारा के आउट होने के बाद क्रीज पर दिव्यांश ने और तेजी दिखायी।

ईशान ने दूसरा शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

चेन्नई । ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने दिलीप ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन शानदार दोहरा शतक लगाकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। ईशान ने पहले दिन शतक लगाया था। वहीं दूसरे दिन भी उनकी बल्लेबाजी जारी रही।अब ईशान टूर्नामेंट के फाइनल में दोहरा शतक लगाने वाले पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले दिलीप ट्रॉफी के फाइनल में रमन लांबा, अंशुमन गायकवाड़, चेतेश्वर पुजारा और यशस्वी जायसवाल ने ही दोहरे शतक लगाये हैं।

भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज 13 सितंबर से होगी

भारतीय टीम अब तब रही है अजेय

नई दिल्ली। इसी माह 13 सितंबर से भारतीय टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एक टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज की मेजबानी अफगानिस्तान बोर्ड कर रहा है। सीरीज का आयोजन यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में होगा क्योंकि अफगान टीम के पास अपना कोई स्टेडियम नहीं है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम इस सीरीज में जीत के इरादे से उतरेगी। पिछले कुछ समय में अफगानिस्तान ने जिस तरह से टी20 प्रारुप में खेला है उससे ये मुकाबला आसान नहीं रहेगा।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ अब तक बेहद अच्छा रहा है। दोनों टीमों के बीच कुल 9 मुकाबले खेले गए हैं, और इनमें से 8 में भारतीय टीम ने जीत हासिल की है जबकि एक मुकाबले का परिणाम नहीं निकला है। अफगानिस्तान को अभी तक टी20 प्रारुप में भारतीय टीम के खिलाफ जीत नहीं मिली है। जिससे पता चलता है कि भारतीय टीम अभी तक अजेय रही है। आगामी सीरीज के लिए भारतीय टीम में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव और वापसी देखने को मिली है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी से टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी। , हालांकि उन्हें फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ही खेलने की अनुमति मिलेगी। 15 वर्षीय युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को भी टीम में जगह मिली है, और अफगानिस्तान के स्पिनर्स के खिलाफ उनका प्रदर्शन कैसा रहता है इसपर सबकी नजरें रहेंगी। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संजू सैमसन और ईशान किशन संभालेंगे, जो टीम को गहराई प्रदान करेंगे। नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ी भी फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ही अंतिम एकादश का हिस्सा बन पाएंगे, जो टीम की बेंच स्ट्रेंथ को दिखाता है।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है-

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उप-कप्तान), शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा।

टेवेज के विदाई मैच में एक साथ खेल सकते है मेसी और रोनाल्डो

बार्सिलोना। हाल ही में फुटबॉल से संन्यास लेने वाले अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब एक विदायी मैच में एक साथ खेलते नजर आ सकते हैं। रोनाल्डो और मेसी के बीच पिछले एक दशक में कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही है पर आने वाले एक मैच में ये दोनो दिग्गज एक साथ दिख सकते हैं।

ये दोनो ही इस साल के अंत में अर्जेंटीना के पूर्व स्टार फुटबॉलर कार्लोस टेवेज के विदाई मैच में खेल सकते हैं। इससे दोनो के प्रशंसक भी हैरान होने के साथ ही उत्साहित हैं। इसका कारण ये है कि पिछले लगभग 15 वर्षों से, रोनाल्डो और मेसी की प्रतिद्वंद्विता फुटबॉल जगत में छायी रही है। ला लीगा में रोनाल्डो ने रियल मैड्रिड के लिए और मेसी ने बार्सिलोना के लिए खेलते हुए कई यादगार मुकाबले जीते हैं। राष्ट्रीय टीमों की ओर से खेलने के दौरान और क्लब स्तर पर ये दोनो ही 37 बार एक-दूसरे के खिलाफ खेल हैं पर कभी भी एक टीम में नहीं रहे हैं। इन दोनों महान खिलाड़ियों ने मिलकर रिकॉर्ड 13 बैलन डी खिताब जीते हैं। दोनो के ही प्रशंसक अपने-अपने स्टार खिलाड़ी के बेहतर होने के दावे करते रहे हैं। वहीं कार्लोस टेवेज ने इन दोनो के साथ ही खेला है और वह विदायी मैच में इन्हें साथ ला रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अनुसार टेवेज ने अपने पूर्व क्लब बोका जूनियर्स के अध्यक्ष जुआन रोमन रिकेल्मे से ला बॉम्बोनेरा स्टेडियम में इस मैच को आयोजित करने पर बात की है। रिकेल्मे ने इस खास आयोजन के लिए अपनी सहमति दे दी है। गौरतलब है कि बोका जूनियर्स से अपना पेशेवर करियर शुरू करने वाले टेवेज ने 2021 में फुटबॉल से संन्यास ले लिया था। अब पांच साल बाद, वे अपने करियर को एक भव्य विदाई देने की तैयारी में हैं। ये मैच दिसंबर महीने में होना तय है। जिससे बोका जूनियर्स के कार्यक्रम पर इसका कोई असर न पड़े। गौरतलब है कि रोनाल्डो और मेसी जैसे दिग्गजों को एक साथ खेलने के लिए मनाना किसी और के लिए शायद असंभव होता, लेकिन टेवेज के लिए यह संभव है।

एथलेटिक्स सीरीज के फाइनल में जीत के साथ वापसी करने उतरेंगे साबले

एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक बरकरार रखने का भी भरोसा

बेंगलुरु। भारत के अनुभवी स्टीपलचेजर अविनाश साबले अब 10 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाली एथलेटिक्स सीरीज के फाइनल में जीत के साथ वापसी करना चाहते है। साबले का लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन कर आगामी एशियाई खेलों के लिए अपनी लय हासिल करना है। उनके लिए यह एक उच्छा अवसर होगा, क्योंकि यह इस साल उनकी पहली स्टीपलचेज प्रतियोगिता होगी। पिछले काफी समय से वह सर्जरी के कारण खेल से दूर थे। साबले को को भरोसा है कि वह एशियाई खेलों में 3000 मीटर स्टीपलचेज में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखने में सफल रहेंगे। साबले के अनुसार उनकी फिटनेस पहली बार के खेलों के तरह ही है। वह सर्जरी के कारण राष्ट्रमंडल खेलों में भाग नहीं ले पाए थे पर उन्होंने एशियाई खेलों के लिए कड़ा अभ्यास किया है और उन्हें जापान में होने वाले इन खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है।अपनी वापसी को लेकर उत्साहित अविनाश ने कहा, मैंने 2022 में बेहतरीन प्रदर्शन किया था और मुझे लगता है कि मेरी फिटनेस का स्तर अब भी वैसा ही है। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं इन एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दोहरा सकता हूं। उनका यह बयान उनके आत्मविश्वास को दिखाता है।

धोनी का आईपीएल 2027 सत्र में खेलना संभव नहीं - बद्रीनाथ

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने कहा है कि दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सत्र में खेलना संभव नजर नहीं आता है। इसका कारण है कि धोनी इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में मैदान पर उतरने के लिए तैयार नहीं हैं। बद्रीनाथ का मानना था कि धोनी इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तौर पर उतरकर अपने आईपीएल करियर को लंबा कर सकते थे पर वह इसके लिए तैयार नहीं दिखते। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि यदि वह खेलना जारी रखते हैं, तो वह एक पूर्णकालिक विकेटकीपर के रूप में ही मैदान पर उतरना चाहेंगे, जिसका अर्थ है कि उन्हें पूरे 20 ओवर तक विकेटकीपिंग और क्षेत्ररक्षण की जिम्मेदारी निभानी होगी जो उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए संभव नहीं दिखता।

बद्रीनाथ का मानना है कि धोनी के लिए उनके करियर के इस चरण में इम्पैक्ट प्लेयर की भूमिका अधिक उपयुक्त हो सकती थी। 44 साल की उम्र को देखते हुए, पूरे 20 ओवर तक विकेटकीपिंग करना उनके लिए शारीरिक रूप से संभव नहीं हो सकता है। यह नियम उन्हें केवल बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने और दबाव कम करने का अवसर प्रदान कर सकता था, जिससे वे फिनिशर के रूप में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभा पाते।

बद्रीनाथ ने बताया, ''धोनी ने मुझसे कहा कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलेंगे। वह खुद को एक पूर्णकालिक विकेटकीपर मानते हैं, जिसका मतलब है कि उन्हें पूरे 20 ओवर तक मैदान पर रहना होगा। इसलिए वह इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलेंगे, लेकिन मुझे लगता है कि अगर वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलते हैं तो इससे सीएसके को रणनीतिक फायदा होगा।

अमेरिकी ओपन में सेरुंडोलो ने फिट्ज को हराकर सनसनी फैलाई

न्यूयॉर्क यहां जारी अमेरिकी ओपन टेनिस में नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फिट्ज उलटफेर का शिकार हो गये। फिट्ज को अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने हराकर सनसनी फैला दी। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही सेरुंडोलो के पहली बार अमेरिकी ओपन के अंतिम-16 में जगह मिली है।

यह रोमांचक मुकाबला आर्थर ऐश स्टेडियम में खेला गया।

मैच में फिट्ज ने शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाया और पहले दो सेट 6-3 और 6-4 से आसानी से आसानी से जीत लिए पर इसके बाद अर्जेंटीनी खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए अगले तीन सेट 6-3, 6-4 और 6-4 से जीत लिए। इस जीत से सेरुंडोलो अपने दृढ़ संकल्प और जुझारूपन को दिखाया। यह उनके करियर में दूसरी बार है जब वे दो सेट से पिछड़ने के बाद कोई मैच जीतने में कामयाब रहे हैं, जो उनकी मानसिक दृढ़ता और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता को दर्शाता है।

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग के रोमांचक मुकाबले में 1 रन से जीती शुभमन की टीम

मोहाली। शुभमन गिल की आक्रामक पारी से शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में फजिल्का फाल्कन्स ने एक रोमांचक मुकाबले में एक रन से लुधियाना लायंस को हरा दिया। अंतिम ओवर में लुधियाना को जीत के लिए 6 रन चाहिए थे पर वह केवल 5 रन ही बना पायी और एक रन से मुकाबला हार गयी।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी फजिल्का फाल्कन्स के कप्तान शुभमन ने सिर्फ 21 गेंदों पर 7 चौके और 1 छक्के की सहायता से 40 रन बनाकर , जिससे फजिल्का को एक धमाकेदार शुरुआत मिली। हालांकि, लुधियाना के युवा गेंदबाज कार्तिक चड्ढा ने 4 ओवर में मात्र 9 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट लिए, जिसमें शुभमन का बहुमूल्य विकेट भी शामिल था। शुभमन के आउट होने के बाद प्रेरित दत्ता ने 36 रन और जयवीर भिंडर ने 18 गेंदों में 21 रन बनाकर फजिल्का फाल्कन्स को 20 ओवरों में 9 विकेट पर 170 रनों तक पहुंचा दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले 171 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लुधियाना लायंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। लगातार अंतराल पर विकेट गिरने से लुधियाना पर दबाव बढ़ता गया।

सलामी बल्लेबाज कार्तिक शर्मा ने 32 रन बनाकर एक छोर संभालने की कोशिश पर उन्हें सहयोग नहीं मिला। इसके बाद माधव पठानिया और कृष भगत ने बेहतरीन पारी खेलकर अपनी टीम की मैच में वापसी करायी। दोनों बल्लेबाजों ने केवल 29 गेंदों में 61 रनों की एक विस्फोटक और अटूट साझेदारी करके लुधियाना के खेमे में जीत की उम्मीदें फिर से जगा दीं। माधव पठानिया ने 16 गेंदों पर तेजी से 37 रन बनाए, वहीं कृष भगत ने 23 गेंदों में 28 रन बनाकर उनका बेहतरीन साथ दिया।

अंतिम ओवर में लुधियाना को जीत के लिए 19 रन चाहिए थे, और पठानिया-भगत की जोड़ी ने शुरुआती गेंदों पर तेजी से रन बटोरकर मैच को आखिरी गेंद तक खींच दिया।

ग्रीम स्मिथ सहित इन खिलाड़ियों के नाम है सबसे लंबे समय तक कप्तानी का रिकार्ड

जोहांसबर्ग। आजकल टी20 क्रिकेट का जोर है और दुनिया भर में टी20 लीग चल रही है। इसके बाद भी टेस्ट क्रिकेट का महत्व बना हुआ है। इसका कारण ये है कि इसी प्रारुप में किसी खिलाड़ी की प्रतिभा और कौशल की असली परीक्षा होती है और खेल का असली रोमांच मिलता है। टेस्ट क्रिकेट में इस दौरान कई अनोखे रिकार्ड भी बने हैं। ऐसा ही एक रिकार्ड दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ग्रीम स्मिथ के नाम है। स्मिथ ने 2003 से 2014 के बीच रिकॉर्ड 109 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की थी। सबसे लंबे समय तक कप्तानी का रिकार्ड है। पिछले 12 साल मे कोई भी इसे नहीं तोड़ पाया है। इस दौरान स्मिथ की टीम को 29 टेस्ट मैचों में हार का भी सामना करना पड़ा उन्होंने जिस प्रकार से एक युवा और बिखरी हुई टीम को विश्व की सबसे मजबूत टेस्ट टीमों में से एक बनाया , उसके लिए उन्हें याद किया जाता है। कप्तान के तौर पर भले ही उन्होंने शतक न जमाया हो, लेकिन उनकी कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने नई उपलब्धियां हासिल की।

स्मिथ के बाद सबसे अधिक समय तक कप्तानी करने वलो बल्लेबाजों में न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग इस दूसरे स्थान पर हैं। कीवी टीम के सबसे सफल कप्तान फ्लेमिंग ने साल 1997 से 2006 के बीच कप्तानी संभाली और इस दौरान उनकी टीम 27 टेस्ट मैच ही हारी। फ्लेमिंग ने अपनी कप्तानी में न्यूजीलैंड को आगे बढ़ाया। उन्होंने कप्तान के रूप में 117 रनों की एक शतकीय पारी सहित 1589 रन बनाए।

वहीं इंग्लैंड के वर्तमान कप्तान जो रूट ने साल 2017 से 2022 तक टेस्ट कप्तानी की थी। वह सबसे अधिक समय तक कप्तानी करने वाले तीसरे कप्तान हैं।जब इंग्लैंड की टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी, तब रूट ने अकेले दम पर बल्लेबाजी का भार संभाला। कप्तानी के दौर में रूट ने भी 27 टेस्ट मैचों में हार का सामना किया। कप्तान के रूप में रूट का व्यक्तिगत प्रदर्शन शानदार रहा; उन्होंने 1793 रन बनाए, जिसमें नाबाद 180 रनों का एक यादगार शतक शामिल था। उनका कप्तानी कार्यकाल यह दर्शाता है कि एक खिलाड़ी कितने भी रन बनाये, टेस्ट मैच जीतने के लिए पूरी टीम के सामूहिक योगदान की जरूरत होती है। रूट को इस साल एक बार फिर कप्तानी सौंपी गयी थी

क्रिकेट इतिहास के सबसे प्रतिभाशाली बल्लेबाजों में गिने जाने वाले वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा का नाम भी इस सूच में है।

नकवी के कारण महिला एशिया कप फाइनल में फिर ट्रॉफी विवाद उठना तय

दुबई। 13 सितंबर को यहां होने वाले महिला एशिया कप 2026 फाइनल में एक बार फिर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ट्रॉफी को लेकर विवाद पैदा कर सकते हैं। भारतीय महिल टीम यहां खिताब की प्रबल दावेदार है।

नकवी ने इससे पहले साल 2025 में भारतीय पुरुष टीम के एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराने के बाद भी ट्रॉफी अपने पास ही रखी थी। तब भारतीय टीम ने नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था, जिसके बाद नकवी ट्रॉफी अपने साथ लेकर मैदान से बाहर चले गए।

इस अप्रत्याशित घटनाक्रम के कारण, सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम को खाली हाथ घर लौटना पड़ा था। , टीम को एशियाई चैंपियन बने लगभग एक साल पूरा हो गया है पर यह ट्रॉफी अब तक नहीं लौटाई गई है।अब लगभग एक साल बाद, ऐसी ही स्थिति महिला एशिया कप फाइनल में भी सामने आ सकती है। नकवी 13 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में मौजूद रहेंगे।

नकवी, जो एशियाई क्रिकेट काउंसिल के प्रेसिडेंट भी हैं, को एशिया कप फाइनल के लिए मुख्य अतिथि बनाया गया है। जिससे भी ट्रॉफी विवाद होना तय दिखता है। वर्तमान में भारत और श्रीलंका ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। भारतीय टीम 10 सितंबर को अपना सेमीफाइनल मुकाबला खेलेगी, जिसमें उसका सामना बांग्लादेश या यूएई से हो सकता है।

भारतीय टीम इस टूर्नामेंट को जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। यदि भारत फाइनल में पहुंचता है और चैंपियन बनता है, तो एक बार फिर नकवी स्वयं अपने हाथों से चैंपियन टीम को ट्रॉफी भेंट करने की जिद करेंगे। जिसे लेने से महिला टीम का भी इंकार करना तय है।

सबालेंका अमेरकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

लिंडा नोस्कोवा से होगा मुकाबला

न्यूयॉर्क । विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बेलारुस की आर्यना सबालेंका अमेरिकी ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। सबालेंका ने महिला एकल में अमेरिका की टेलर टाउनसेंड को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराकर अंतिम 16 में में जगह बनायी। अब वह सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए छठी वरीयता प्राप्त चेक खिलाड़ी लिंडा नोस्कोवा से खेलेंगी।

सबालेंका को पहले सेट में अमेरिकी खिलाड़ी टाउनसेंड से कड़ी टक्कर मिली। शुरुआती दौर में दोनों खिलाड़ियों की सर्विस कुल पांच बार टूटी, जिससे मुकाबले में उतार-चढ़ाव बना रहा। वहीं 4-2 की बढ़त बनाने के बाद सबालेंका ने पहला सेट 6-4 से जीत लिया।

वहीं दूसरे सेट में शुरुआती तीन गेम तक दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाई पर इसके बाद सबालेंका की सर्विस पर दबाव बढ़ा। एक फोरहैंड नेट में मारने और कमजोर दूसरी सर्विस का फायदा उठाते हुए टाउनसेंड ने ब्रेक हासिल कर 3-1 की बढ़त हासिल कर ली। उन्होंने लगातार पांच गेम जीतकर सेट को 6-3 से जीत लिया पर इसके बाद बेलारूसी खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला जीता लिया मैच के बाद, सबालेंका ने टाउनसेंड के खेल की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं।

सबालेंका इस अमेरिकी ओपन खिताब को जीतकर अपनी नंबर-1 रैंकिंग बनाए रखना चाहेंगी। क्वार्टर फाइनल में सबालेंका का सामना अब छठी वरीयता प्राप्त चेक खिलाड़ी लिंडा नोस्कोवा से होगा, जिन्होंने महिला एकल के एक अन्य मुकाबले में यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक को 7-5, 5-7, 6-4 से हराया है।

भारत-पाकिस्तान ट्राई सीरीज शुरु करने पर विचार कर रहा आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अब भारत और पाकिस्तान के बीच एक त्रिकोणीय सीरीज आयोजित करने की योजना बना रहा है। इसमें प्रशंसकों को दोनो के बीच अधिक मुकाबले देखने को मिलेंगे। अभी दोनो ही टीमें केवल आईसीसी टूर्नामेंटों में ही आमने-सामने होती हैं। पिछले एक दशक से अधिक समय से दोनो के ही बीच बढ़ते तनाव के कारण कोई भी द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज नहीं खेली गई है। दोनों देशों के बीच आखिरी द्विपक्षीय सि?ज 2012-13 के सत्र में हुई थी, जब पाकिस्तान टीम ने भारत का दौरा किया था।

अब आईसीसी एक ऐसे बहुपक्षीय टूर्नामेंट या सीरीज की योजना पर गंभीरता से विचार कर रही है, जिसमें भारत और पाकिस्तान दोनों टीमें शामिल होंगी। यह प्रस्ताव एक ट्राई सीरीज के रूप में हो सकता है, जिसमें तीन टीमें हिस्सा लेंगी, या फिर चार टीमों का एक ब?ा टूर्नामेंट भी आयोजित किया जा सकता है।आईसीसी को पता है कि इन दोनो के बीच मैच से भारी राजस्व भी मिलता है।

गौरतब है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भारतीय टीम के साथ तटस्थ स्थल पर मैच खेलने की मांग करता रहा है पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड इससे इंकार करता रहा है। आगामी 22 और 23 सितंबर को आईसीसी के भविष्य दौरा कार्यक्रम पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन होना है, जिसमें सभी पूर्ण सदस्य देशों और आठ सहयोगी सदस्यों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसी सेमिनार से पहले इस मल्टी-नेशन सीरीज पर भी विचार होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, इस सेमिनार में भारत-पाकिस्तान को शामिल करने वाली इस ट्राई सीरीज या चार-टीमों के टूर्नामेंट का विचार औपचारिक रूप से पेश किया जा सकता है। इस प्रस्ताव के पीछे का प्रमुख तर्क यह है कि ऐसे टूर्नामेंट से जबरदस्त राजस्व (रेवेन्यू) उत्पन्न किया जा सकता है। यह न केवल प्रसारकों के लिए, बल्कि आयोजकों के लिए भी एक बड़ा आर्थिक अवसर प्रदान करेगा।